

विजय शाह का ऐसा क्या महत्व है?

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 सितम्बर। मध्य प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट के सामने अपने उस फैसले का बचाव करने की तैयारी कर रही है, जिसमें उसने आर्मी ऑफिसर कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में सीनियर कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की विवादित टिप्पणी पर मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं दी थी।

कानूनी विशेषज्ञों, मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जांच-पड़ताल के बाद, आने वाले दिनों में

- एम.पी. ने सारे छोड़े खोल रखे हैं, विजय शाह के पक्ष में?

राज्य सरकार का जवाब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए जाने की उम्मीद है। इस जवाब का मुख्य आधार पांच बिंदुओं वाला बचाव है, जिसमें बताया गया है कि कैबिनेट क्यों मानती है कि शाह पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है।

सरकार का पहला तर्क यह है कि विवादित बयान के बाद विजय शाह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए कोई व्यक्ति आगे नहीं आया। माना जा रहा है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट को बताएगी कि टिप्पणी को लेकर राजनीतिक और सार्वजनिक विवाद के बावजूद, किसी भी निजी शिकायतकर्ता ने मंत्री के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग नहीं की।

दूसरा तर्क यह है कि शाह ने अपने बयान में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम (शेष पृष्ठ 5 पर)

राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में भाजपा से बड़ा रोड़ा सहयोगी दल हैं

इण्डिया ब्लॉक के घटक, इस गठबंधन को, मुख्य रूप से भाजपा को पराजित करने का माध्यम तो मानते हैं, पर वे इसे राहुल गांधी को प्र.मंत्री बनाने का जरिया नहीं मानते

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 सितम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए 7, लोक कल्याण मार्ग (पहले रेस कोर्स रोड) या ज्यादा सही कहें तो, नए भारत में प्रधानमंत्री कार्यालय तक का रास्ता हर गुजरते साल के साथ थोड़ा और मुश्किल होता जा रहा है।

कांग्रेस लगातार यह बात कह रही है कि 2029 में “इंडिया” गठबंधन की ओर से राहुल गांधी ही प्रधानमंत्री पद के स्वाभाविक उम्मीदवार होने चाहिए। फिर भी, इस महत्वाकांक्षा में सबसे बड़ी बाधा शायद भाजपा न हो। हो सकता है कि वे सहयोगी ही बाधा बनें, जिनका समर्थन राहुल गांधी को शीर्ष पद तक पहुंचने के लिए चाहिए होगा।

ताजा विवाद तमिलनाडु को लेकर

- यह सोच राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में सबसे बड़ा रोड़ा है।

- यह सच है कि राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस ने काफी मजबूती हासिल की है तथा इस मजबूती की वजह से राहुल को लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद मिला। पर, मजबूत कांग्रेस का सीधा अर्थ यह नहीं होता कि राहुल गांधी विपक्ष के सर्वमान्य प्र.मंत्री उम्मीदवार भी बन गए हैं।

- अंततोगत्वा, इण्डिया ब्लॉक का प्र.मंत्री पद का उम्मीदवार बनना, इस बात पर निर्भर करेगा कि कांग्रेस कितनी सीटें जीतती है तथा चुनाव के बाद भी राजनीतिक सौदेबाजी में उसकी तुलनात्मक स्थिति क्या है?

है।

किया है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री (शेष पृष्ठ 5 पर)

राज्य में कांग्रेस नेताओं ने दावा

नया नीतीश कुमार कौन होगा?

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 सितम्बर। इक्कीस अगस्त से बिहार की राजनीति में हलचल मची हुई है, जब राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेन्द्र कुशवाहा ने राजगीर में अपनी पार्टी के तीन दिवसीय कैप में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विरासत के बारे में बात की थी।

ऊपर से तो कुछ ख़ास होता नहीं दिख रहा, लेकिन अंदर ही अंदर कुछ पक रहा है: सवाल यह है कि नीतीश की राजनीतिक विरासत का अब क्या होगा,

- उपेन्द्र कुशवाहा ने यह स्थान पाने के लिए काफी तर्कपूर्ण राजनीतिक सोच प्रस्तुत किये।

जब वे राज्य की सक्रिय राजनीति के केन्द्र से हट गए हैं। उस विरासत के लिए मुकाबला अभी खुलकर शुरू नहीं हुआ है। लेकिन उसके लिए दावेदारी होने लगी है।

आरएलएम कैप में, कुशवाहा ने एक ऐसा नजरिया पेश किया, जिस पर चर्चा होनी ही थी। उन्होंने नीतीश के बारे में और इस बारे में बात की कि नीतीश की विरासत को कौन आगे बढ़ाएगा। उनकी बात उत्तराधिकार का कोई सीधा दावा नहीं थी। फिर भी, इसके राजनीतिक निहितार्थ को नजरअंदाज करना मुश्किल था।

नीतीश के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर न रहने के कारण, राजनेता और जनता (शेष पृष्ठ 5 पर)

अब हार्पर कॉलिन्स छापेगा सोनिया गांधी की आत्मकथा

जाने-माने प्रकाशक पैन्विन ने पहले यह छापने की घोषणा की थी, पर, कुछ अंशों पर तब्दीली करने की मांग की थी, जो सोनिया गांधी ने स्वीकार नहीं की तथा “डील” रद्द हो गई थी

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 सितम्बर। हार्पर कॉलिन्स इंडिया 10 नवंबर को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की यादों पर आधारित किताब “बिलॉगिंग: अ जर्नी ऑफ़ लव” पब्लिश करेगा।

इस किताब को एक रोमांचक और बेहद निजी कहानी बताया गया है, जो भारत की यात्रा का एक आंतरिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। अनुमान है कि इसमें युद्ध के बाद के इटली में सोनिया गांधी के बचपन, नेहरू-गांधी परिवार में उनकी शादी और राजनीति में उनके आने की घटनाओं को कवर किया गया है।

दुनिया भर में पब्लिश होने से पहले ही, इस किताब ने काफी अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है।

शुरूआत में दिलचस्पी दिखाने के बावजूद, पैन्विन रैंडम हाउस इंडिया के साथ इस किताब को पब्लिश करने की वार्ता के दौरान “गतिरोध” आ गया था।

- किताब, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारी चर्चित हो गई है, छपने से पहले ही।

- अनुमान है, आत्मकथा में, सोनिया गांधी ने, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की इटली तथा वहाँ उनके बचपन, फिर राजीव गांधी से शादी, उनका नेहरू-गांधी परिवार का हिस्से बनने, राजीव गांधी की हत्या तथा राजनीति में उनके प्रवेश पर काफी विस्तार से लिखा है।

हार्पर कॉलिन्स इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 10 नवंबर को पब्लिश करेगा।

हार्पर कॉलिन्स ने एक बयान में कहा, “राजनीतिक संस्मरण “बिलॉगिंग”, जिसका इस समय सबसे ज्यादा इंतजार है, प्यार, पहचान, कर्तव्य और अपनेपन की एक रोमांचक और बेहद निजी कहानी है, और यह भारत की यात्रा को देखने का एक अनोखा अंदरूनी नजरिया देती है।”

कांग्रेस नेता की इस बहुप्रतीक्षित

किताब के भारत में पब्लिश होने को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं। अमेरिका स्थित विख्यात पब्लिशिंग हाउस, “अल्फ्रेड ए नॉर्फ”, जो पैन्विन हाउस का एक ब्रांड है, ने कहा था कि यह किताब 10 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज की जाएगी।

इस घोषणा के बाद, पैन्विन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि वह किताब को पब्लिश करने के लिए उत्सुक था, लेकिन बातचीत के दौरान “एक ख़ास मुद्दे” पर गतिरोध पैदा हो गया था। (शेष पृष्ठ 5 पर)





नगर निकाय चुनाव में कमल खिलाना है विकास को आगे बढ़ाना है

भाजपा सरकार की नीति और नीयत से बदली राजस्थान की किस्मत

युवा शक्ति को अवसर, राजस्थान को नई उड़ान

कौशल विकास एवं शिक्षा

- 3.58 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण
- 88,724 विद्यार्थियों को टैबलेट/लैपटॉप वितरण
- 42,509 युवाओं को मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना का लाभ

रोजगार एवं भर्ती

- 1.88 लाख सरकारी पदों पर नियुक्तियां
- 1.22 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन
- 70,031 पदों पर भर्ती की तैयारी

पारदर्शी भर्ती

- भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए एसआईटी का गठन
- पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय हुए पेपर लीक के 569 आरोपियों की गिरफ्तारी और 157 एफआईआर दर्ज
- 410 भर्ती परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित

टेक्नोलॉजी एवं भविष्य

- राजस्थान AI-ML पॉलिसी लागू
- AVGC-XR पॉलिसी से एनीमेशन, गेमिंग और डिजिटल रोजगार को बढ़ावा

स्टार्टअप एवं नवाचार

- राज्य में स्टार्टअप की संख्या बढ़कर 8,780
- स्टार्टअप निवेश ₹250 करोड़ से बढ़कर ₹1,054 करोड़
- 9 इंक्यूबेशन सेंटर और 65 लॉन्चपैड स्थापित
- 1,062 स्टार्टअप्स को ₹33.94 करोड़ की फंडिंग



निकाय चुनाव हेतु भाजपा का संकल्प पत्र



पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

कमल का बटन दबाएं



भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिएं। –रोबिन शर्मा

राजस्थान विश्वविद्यालय के लिए नए कुलपति की तलाश

राष्ट्रीय स्तर पर विद्वता, प्रशासनिक एवं आर्थिक चुनौतियां से निपटने की कौशलता, जेन जेड व जेन अल्फा की अपेक्षाओं के अनुसार दूर दृष्टि रखने वाला हो अगला कुलपति/कुलगुरु

राजस्थान विश्वविद्यालय में सितंबर माह में नए कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ होने के साथ ही विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा जगत में इस पद को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह भी सुनने में आ रहा है कि अपने नाम के आगे कुलपति लिखे जाने का स्वप्न संजोये कुछ लोग इस महत्वपूर्ण पद के लिए राजनीतिक और अन्य स्तरों पर साम, दाम, दंड भेद के साथ सक्रिय हो गए हैं। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि किसी जमाने में राजस्थान विश्वविद्यालय का कुलपति केवल एक प्रशासनिक पद नहीं, बल्कि राज्य की उच्च शिक्षा की दिशा तय करने के साथ राज्य सरकारों को भी अपनी विद्वता से मार्गदर्शन देने का एक मजबूत जरिया माना जाता था, राज्य सरकारें ही नहीं बड़े-बड़े राजनेता भी कुलपतियों से मार्गदर्शन की प्रतीक्षा में रहते थे, लेकिन पिछले कुछ समय से हालात ऐसे बदले हैं कि इस विश्वविद्यालय के कुलपतियों को मुख्यमंत्री की तो छोड़िए अधिकांशत उच्च शिक्षा एवं वित्त विभाग से जुड़े कनिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए भी लंबी प्रतीक्षा के दौर से गुजरना पड़ता है, हालांकि पदासीन कुलपति विश्वविद्यालय के कुछ गंभीर नीतिगत मामलों जैसे पेंशन का दायित्व राज्य सरकार द्वारा लिए जाने जैसे अन्य गंभीर विषयों को लेकर विश्वविद्यालय से जुड़े प्रतिनिधियों को यह कहते हुए जरूर नजर आते हैं, कि इस संबंध में आपने मुझे क्यों नहीं बताया, मैं आपकी शीघ्र ही मुख्यमंत्री से वार्ता तय हो जाएगी।

एक समय अपनी उत्कृष्ट अकादमिक परंपरा, शोध गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध रहा राजस्थान विश्वविद्यालय आज प्रमुख रूप से गंभीर आर्थिक हालातों के साथ, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की गतिशीलता को लेकर आने वाली गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कुलपतियों द्वारा ही सार्वजनिक रूप से यह कहा जाना कि विश्वविद्यालय स्तर पर पेंशन की व्यवस्था अब कुछ महीनों के लिए ही संभव हो पाएगी, राज्य सरकार ने ग्रेज्युटी की राशि को बड़ाकर 25 लाख कर दिया है, लेकिन राजस्थान विश्वविद्यालय अपने गंभीर आर्थिक हालातों के चलते पिछले लंबे समय से इस राशि को

एक समय अपनी उत्कृष्ट अकादमिक परंपरा, शोध गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध रहा राजस्थान विश्वविद्यालय आज प्रमुख रूप से गंभीर आर्थिक हालातों के साथ, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की गतिशीलता को लेकर आने वाली गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कुलपतियों द्वारा ही सार्वजनिक रूप से यह कहा जाना कि विश्वविद्यालय स्तर पर पेंशन की व्यवस्था अब कुछ महीनों के लिए ही संभव हो पाएगी।

विद्वतापूर्ण प्रतिष्ठा के आधार पर सीधे राज्य के मुख्यमंत्री स्तर पर विश्वविद्यालय से जुड़ी समस्याओं के समाधान की क्षमता रखता हो। यह सही है कि निजी शिक्षा माफियाओं के रचे गए सफल षड्यंत्रों के कारण, पहले केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वरूप से इसे वंचित करना, और बाद में इसके क्षेत्राधिकार को संकुचित करने के साथ ही, बिना किसी प्रभावी व्यवहारिक योजना के अभाव में इसके क्षेत्राधिकार से जुड़े सीकर भरतपुर अलवर। जिलों के साथ क्षणिक राजनीतिक लाभ के लिए नए-नए विश्वविद्यालय खोल देने के कारण, इस विश्वविद्यालय के लगातार घटते संसाधनों और वित्तीय दबावों ने विश्वविद्यालय की स्थिति को अत्यंत कठिन बना दिया है। ऐसी परिस्थितियों में विश्वविद्यालय को ऐसे कुलगुरु/ कुलपति की आवश्यकता है जो केवल एक विद्वान ही नहीं, बल्कि कुशल प्रशासक, दूरदर्शी योजनाकार और अनुचित दबावों में अपने पद की परवाह किए बिना सरकार विशेष रूप से राजस्थान के मुख्यमंत्री के समक्ष विश्वविद्यालय का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने की क्षमता रखता हो।

आगे आने वाली 3 सालों में विदेशी विश्वविद्यालयों तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त कुछ प्रतिष्ठित निजी उच्च शिक्षण संस्थानों के राजस्थान, विशेषकर जयपुर, में विस्तार की संभावनाएं भी राजस्थान विश्वविद्यालय के सामने नई प्रतिस्पर्धा प्रस्तुत करेंगी। इस चुनौती का सामना वही नेतृत्व कर सकता है जो वैश्विक उच्च शिक्षा में हो रहे परिवर्तनों को गहराई से समझने की क्षमता रखता हो, और अपेक्षाओं के अनुरूप नवाचारों को अपनाने का सामर्थ्य भी उसमें हो, इन सारे आयामों के साथ कम से कम विश्वविद्यालय को ऐसा कुलपति न मिल जाए जो विश्वविद्यालय परिसर की 365 एकड़ भूमि के साथ संघटक महाविद्यालयों से जुड़ी लगभग ढाई सौ एकड़ भूमि, जिसका वर्तमान में अरबो रुपए बाजार मूल्य है, पर गिद्ध दृष्टि लगाए बैठे प्रभावशाली भू माफियाओं के रचे जाने वाले षडयंत्रों का हिस्सा हो बन जाए। राजस्थान विश्वविद्यालय को आज किसी गुट, विचारधारा या व्यक्तिगत विद्वेषों के आधार पर दुर्भावना एवं शरारतपूर्ण कार्यवाही कर अपने ही विश्वविद्यालय से जुड़े साधियों को प्रताड़ित करने वाला प्रतिनिधि नहीं, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय परिवार का विश्वास जीतने वाला असली नेतृत्वकर्ता चाहिए, जो राज्य सरकार के अन्य वित्तपोषी विश्वविद्यालयों के लिए भी एक प्रेरणादायक मिसाल बन सके।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत,
राजस्थान विश्वविद्यालय।



श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविद्यालय विद्वान, लेखक और स्टेड्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या

राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए। शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहण क्षमता के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षालयों में 'आचार्यदेवो भव' का संदेश दिया गया है।

सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन

में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम से पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों तो, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं।

श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णतः प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रवर ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है।

एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया है: 'सर्वत्र विजयम् इच्छेत शिष्यात् इच्छेत पराजयम्'। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय को कामना करने चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना,

तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढ़ियां तैयार होंगी। शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है। शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओडिशा के राईगंगपुर में स्थित 'श्री ओरोबिंदो इंटीग्रल स्कूल' में बच्चों को पढ़ाया है। बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं।

मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है। राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं। लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन

बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

शिक्षा प्रदान करने का कार्य केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं होता है। प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो अपने आचरण और उपलब्धियों से बच्चों के लिए 'रोल मॉडल' बनता है, वह भी शिक्षा और प्रेरणा का अमूल्य स्रोत होता है।

माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे। इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है। विद्यार्थी को अच्छा व्यक्ति बनाना शिक्षक का पावन कर्तव्य है। नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवन्त प्रतिमान होते हैं।

हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अटसर है। मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगण ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से आगे बढ़ें। मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें। मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पढ़े और बहुत आगे बढ़े।

–श्रीमती द्रौपदी मुर्मू,
(लेखक भारत की राष्ट्रपति हैं।)

सुरेश्वर : जहां बच्चों के सपनों के बगीचे में फैली है कला की खुशबू

कला को रचनात्मकता से जोड़ दे रहे हैं हकीकत की उड़ान



बनवारी यादव

अरावली की पहाड़ियों के पास बसे जालोर के एक छोटे-से गांव पांडेरा में करीब 100 बच्चे हर सुबह एक उम्मीद के साथ उठते हैं-आज स्कूल जाना है, कुछ नया सीखना है, कुछ नया बनाना है। लेकिन इन बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंचने का रास्ता हमेशा आसान नहीं था।

घुमंतु, राईका, रबारी परिवारों की सीमित और अनिश्चित आमदनी में फीस, किताबें, कॉपियां, स्टेशनरी और

स्कूल ड्रेस जैसी जरूरतें भी कई बार बड़ा बोझ बन जाती थीं। पढ़ने की इच्छा थी, सपने थे, लेकिन उन सपनों के रास्ते में आर्थिक परेशानियां खड़ी थीं। इसी जरूरत को महसूस करते हुए वर्ष 2022 में सुरेश्वर की शुरुआत हुई। यह सिर्फ एक स्कूल खोलने की पहल नहीं थी, बल्कि उन बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने की कोशिश थी, जिनके लिए स्कूल की दहलीज तक पहुंचना भी कभी चुनौती हुआ करता था। आज सुरेश्वर में बच्चे सिर्फ किताबें पढ़ने नहीं आते। वे यहां अपनी कल्पनाएं लेकर आते हैं, कोई काराज पर रंग भरता है, कोई अपनी दुनिया चित्रों में उतार देता है, तो कोई ऐसे सवाल पूछता है जिनके जवाब शायद किताबों में भी आसानी से न मिलें। यहां हर सवाल को सुना जाता है। क्योंकि सुरेश्वर के लिए बच्चों को केवल सीधे जवाब देना जरूरी नहीं है, उनके भीतर सवाल पूछने की हिम्मत को बचाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

सुरेश्वर की इस कहानी के पीछे

हैं खुशबू चारण, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपने अनुभवों के दौरान एक बात को बहुत करीब से महसूस किया- बच्चों के बीच रहना और उनके सपनों को आकार लेते देखना उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देता है। इसी एहसास ने उन्हें ऐसा स्कूल बनाने की प्रेरणा दी, जहां बच्चे सिर्फ पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी रचनात्मकता और कल्पनाओं के आकाश में खलकत उड़ सकें। आज सुरेश्वर में 100 बच्चों की अपनी एक छोटी-सी दुनिया है। यहां हंसी है, शरारतें हैं, रंग हैं, सवाल हैं और सबसे बढ़कर-सपने हैं। सुरेश्वर की कहानी अभी पूरी नहीं हुई है। यह उन 100 बच्चों के साथ हर दिन आगे बढ़ रही है, जो सुबह अपने छोटे-छोटे सपनों के साथ यहां आते हैं और शाम को अपने साथ कुछ नया लेकर लौटते हैं-कभी कोई चित्र, कभी कोई सवाल, कभी कोई नई सीख और कभी बस एक दिन भर की दर सारी खुशियां।

खुशबू के लिए भी सुरेश्वर कोई



मंजिल नहीं, बल्कि एक सफर है। ऐसा सफर, जिसमें हर बच्चे के साथ एक नया जमाना जुड़ता जाता है।

शायद किसी दिन इन्हीं बच्चों में से कोई अपने गांव की पहली बड़ी उड़ान बनेगा। कोई डॉक्टर, कोई शिक्षक, कोई कलाकार या शायद कुछ ऐसा, जिसका सपना आज उसने खुद न देखा हो और तब सुरेश्वर की सबसे बड़ी कामयाबी उसकी इमारत नहीं होगी, बल्कि वह बच्चा होगा जो कभी स्कूल आने से डरता या रुकता था। और उस उड़ान की यात्रा शुरू हो

चुकी है। ये बच्चे अब पूरे भरोसे से कह रहे हैं- मैं कर सकता हूं, कम कर सकते हैं। वे हर बार सफल नहीं होते, लेकिन हर विफलता पर सफल होने के लिए जरूरी प्रयास बढ़ जाते हैं और असल सफलता यही है कि इन्होंने सफलता और विफलता के असर अर्थ और मकसद समझ लिए हैं। यही है खुशबू की बगिया की इन अनमोल फूलों की असली महक।

–बनवारी यादव,
पीआरओ, सुरेश्वर स्टूडियो,
डीआईटीआर

70 साल से 15 अगस्त पर्व पर, जन-जन में स्वस्फूर्त खुशी के माहौल में मनाया जाना देखते आया हूं

किंतु अब विभाजन विभीषिका को याद कर उसे आजादी पर्व के साथ जोड़ना कितना उपयुक्त ??



महावीर सिंह

प्रातः भ्रमण के समय एक गुरु के बीच चलने वाली वार्तालाप का सार है। यहां ऐसे गुरुस में कई प्रकार के लोग होते हैं। कुछ थोड़ा बहुत गम्भीर अध्ययन करने वाले, कुछ ब्लाट्सएण यूनिवर्सिटी डिग्रीधारी तो कुछ निखालस दिन दुनिया की व्यावहारिकता में पारंगत व्यक्ति और कुछ मेरे जैसे श्रोता। वैसे प्रातः भ्रमणकारीयों, पान व चाय की दुकानों पर चर्चा करने वालों भी दूसरे इसी प्रकार के समूहों पर यह बात काफी हद तक लागू होती है-आधा सुनना, चौथाई समझना शून्य सोचना लेकिन प्रतिक्रिया दोगुनी देना ये चारों हानिकारक हैं। विचार का बिंदु था क्या जल्दी स्वतंत्रता के लिए

कोशिशें नें देश विभाजन की बात मानली और यह देश के प्रति महा पाप किया उन्होंने। प्रातः की सैर करने वालों के बीच में उठी ये बात आज भी उतनी ही उलझी हुई है जितनी 1947 में थी। विभाजन का दर्द सांस्कृतिक और भावनात्मक है। हजारों साल की साझी

सभ्यता, गंगा-जमुनी तहजीब, एक भूगोल का एकाएक दो टुकड़ों में बंट जाना उस समय के लोगों के लिए कितना दुःखदाई रहा होगा उसकी आज कल्पना करना भी मुश्किल है। 15 लाख लोगों का विस्थापन, खून-खराबा, परिवारों का उजड़ना के नजारेय से देखें तो निश्चित ही यह एक महा त्रासदी थी। इस दृष्टि से विभाजन को राष्ट्र अथवा मानविकि के देश की आत्मा पर घाव माना जा सकता है। एक तर्क दिया गया कि क्या बातचीत से कोई और रास्ता नहीं निकल सकता था? इस समूह के कुछ व्यक्तियों का तर्क था कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि 90-95 प्रतिशत जनता ने स्वतंत्रता स्वागत किया था। वह जनता जो तीहरी गुलामी में बिना किसी प्रकार के अधिकारों के, नारकीय ज़िंदगी जी रहे थे। इस पक्ष का आधार सामाजिक और राजनीतिक था। सदियों से जिस बहुसंख्य आबादी को जाति, वर्ग और उपनिवेश – तीन स्तरों की गुलामी झेलनी पड़ी थी, उनके लिए 'स्वराज' का मतलब सबसे पहले था – वोट का अधिकार, जमीन का अधिकार, इज्जत का अधिकार।

आजादी की लड़ाई में कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने जनता को लामबंद किया था। वर्ष 1946 में भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान मुख्य रूप से प्रांतीय विधानसभाओं और संविधान सभा के लिए मतदान हुए थे। इन चुनावों ने भारत के राजनीतिक भविष्य और देश के विभाजन की दिशा तय की थी। जब 1946 के चुनावों में करोड़ों लोगों ने

पहली बार वोट दिया, तो वो इसी उम्मीद में था कि अब उनकी सुनी जाएगी। इसलिए उनके लिए स्वतंत्रता और विभाजन दोनों ही "गुलामी के अंत" का प्रतीक बन गए थे। एक थोड़े से उग्र दराज व्यक्ति ने कुछ संगठनों की भूमिका पर सवाल उठाया कि हिंदू महासभा और आरएसएस जैसे संगठन उस समय चुनावी राजनीति और जन-आंदोलन से दूरी पर थे। उनका फोकस कुछ अस्थ्र जैसे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और बाद में वैकल्पिक राजनीति पर रहा। जबकि कांग्रेस ने संविधान अज्ञा, भारत छोड़ो जैसे आंदोलन चलाए, और लीग ने 'पाकिस्तान' के नारे से मुस्लिम वोट को संगठित किया।

क्या विभाजन से अतिरिक्त कोई और विकल्प था आजादी था आजादी का और अगर था तो इंतजार क्यों नहीं किया?? विकल्प काण पर थे, जमीन पर नहीं। 1946-47 आते-आते हालात इतने बिगड़ चुके थे कि 'इंतजार' का मतलब और अधिक खून-खराबा था। उस समय की परिस्थितया इतनी विकट हो गई थी उसको समझने के लिए इन बातों को ध्यान में रखना जरूरी है:--

सांप्रदायिक आग – कलकत्ता, नोआखली, बिहार, पंजाब में रोज दंगे हो रहे थे। कानून-व्यवस्था टूट रही थी। ब्रिटिश फौज और पुलिस खुद पीछे हट रही थी। दो राह का विचार जड़ पकड़ चुका – 1940 लाहौर प्रस्ताव के बाद मुस्लिम लीग ने 'पाकिस्तान' को ही अंतिम मांग बना दिया। 1946 के

चुनाव में लीग को मुस्लिम सीटों की 90 प्रतिशत से ज्यादा मिली। इसका मतलब था करोड़ों मुसलमान अब 'एक साथ' रहना नहीं चाहते। कांग्रेस भी थक चुकी थी – बहुत से कांग्रेसी नेताओं ने सालों जेलों में बिताए, भारत छोड़ो आंदोलन में लाखों कार्यकर्ता शामिल हुए आजाद भारत के सपने को साकार करने के लिए किंतु इस मुकाम पर उन्हें एक भारत के सपने पर जोड़े रखना अत्यंत कठिन सा लगने लगा था। आम कार्यकर्ताओं की लड़ाई लड़ने की अपनी सीमाएं होती हैं। नेहरू-पटेल को लगा कि अगर अभी सत्ता नहीं ली तो देश गृहयुद्ध में चला जाएगा। रियासतें और अराजकता – ब्रिटिश जा रहे थे। बीच में कोई खाली जगह नहीं छोड़ सकते थे। अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियां ब्रिटेन खुद दिवालिया हो चुका था। चर्चिल का चुके, एटली की लेबर सरकार को 'जन्दी से भारत छोड़ो' का जनादेश था। दुनिया भर में इंडोनेशिया, वियतनाम तथा दूसरे उपनिवेशक देश बस जगह आजादी की मांग तेज थी। ब्रिटेन को "सम्मानजनक निकासी" चाहिए। इसके अंतर्गत भारत – कैबिनेट मिशन 1946 बना और कमरजोर केंद्र, प्रांतों को ज्यादा अधिकार के प्रस्ताव आए। एक भारत के अंतिम प्रयास थे लीग पहले मानी, फिर मुकर गई। कांठोस को भी पूरा भरोसा नहीं था कि

ये चलेगा। इंतजार करने का मतलब था और दंगे। पंजाब-बंगाल पहले ही जल रहे थे। ब्रिटिश रुकने को तैयार नहीं थे। 1947 तक ब्रिटेन में भी जनमत 'भारत छोड़ो' के पक्ष में था। आर्थिक रूप से रुकना उनके लिए संभव नहीं था। 'इंतजार' करने का मतलब था – बिना सरकार के, बिना फौज के, दंगों के बीच 40 करोड़ लोगों को छोड़ देना। नेहरू, पटेल, जिन्ना, गांधी – सभी ने देर से ही सही ये मान लिया कि बंटवारे के साथ आजादी अथवा बिना बंटवारे के गृहयुद्ध ,विकल्प थे। इसलिए आज हम दोनों बातें एक साथ रख सकते हैं – विभाजन का दुख भी, और आजादी का जश्न भी। इतिहास केवल काला-सफेद नहीं होता। विभाजन एक त्रासदी भी था और लाखों के लिए मुक्ति भी। एक तरफ भूगोल बंटो, दूसरी तरफ करोड़ों लोगों को पहली बार नागरिक बनने का मौका मिला। शायद सबसे सही बात यह थी कि है कि हम विभाजन के दर्द को भूलें नहीं। और साथ ही उन 90 लोगों की आकांक्षा को भी खारिज न करें जिनके लिए 15 अगस्त 1947 सचमुच पहली आजाद सुबह थी। इतिहास को कोसने से बेहतर है उससे सीखें – हमारे ऐसे वैसे कृत्यों के कारण पुनः देश के टुकड़े न हों, और कोई भी नागरिक बिना अधिकारों के नहीं रहे।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएसएस



पंडित अनिल शर्मा

राशिफल शनिवार 5 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 9:31 तक, वज्र योग दिन 12:47 तक, तैलिल करण दिन 11:04 तक, चन्द्रमा दिन 10:18 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-बुध, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरु-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह। आज गोगा नवमी, नन्द महोत्सव, अश्वत्थ मारूती पूजन है। आज डा. राधाकृष्णन जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौषडिः शुभ 7:45 से 9:19 तक, चर 12:26 से 1:59 तक,

लाभ-अमृत 1:59 से 3:06 तक। राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:40



मेघ

आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।



सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नैकीरीशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रमुख बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



धनु

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कन्या

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मकर

आर्थिक कार्यों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।



मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेंगी।



तुला

आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कुंभ

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।



वृश्चिक

घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मीन

घर-गृहस्था के खर्चों में सुधार होगा। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कांग्रेस का बोर्ड बनाने के लिए कार्यकर्ता जी जान से जुट जाएं : बी. डी. कल्ला

बीकानेर, (कासं)। नगर निगम चुनाव के सिंबल वितरण के बाद अगले चरण में शहर के अस्सी वार्डों में मुख्य कार्यालय खुलने सहित जनसंपर्क के दौर अपनी गति पकड़ रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को पुराना जेल रोड स्थित लेडी एल्विन स्कूल के सामने वार्ड 79 से कांग्रेस प्रत्याशी शीतल भाटी के मुख्य चुनाव कार्यालय का उद्घाटन पूर्व मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला और शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे यशपाल गहलोत ने किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में शीतल भाटी के समर्थन में महिलाएं व पुरुष मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने कांग्रेस प्रत्याशी शीतल भाटी को विजय भवः का आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज राजनीति में महिलाओं की भागीदारी देखकर यह समझा जा सकता है कि अब महिलाएं केवल घर का नहीं मोहल्ले और वार्ड का विकास भी चाहती हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण शीतल भाटी है, जिन्होंने वार्ड के विकास को लेकर चुनाव मैदान में ताल ठोक़ी है।

अब आप सभी का दायित्व है कि अपनी बहन शीतल को भारी मर्तो से

पूगल में नाइट एस्ट्रो टूरिज्म सेंटर, कोलायत में 4 करोड़ से बनेगा जनाना घाट

बीकानेर, (कासं)। जिले के ग्रामीण अंचल की तस्वीर बदलने के लिए सरकार ने एक बड़ा मास्टर प्लान मंजूर किया है। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना (वित्तीय वर्ष 2026-27) में 15 करोड़ 77 लाख 50 हजार रुपये की लागत वाले 11 बड़े विकास कार्यों को प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन मिल गया है।

ग्रामीण विकास विभाग की ओर से जारी स्वीकृति में इस बजट में से 13.45 करोड़ रुपये योजना मद से तथा 2.32 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आना योजनाओं के कन्वर्जेंस (अलग-अलग विभागों की योजनाओं को जोड़कर एकत्रित की गई धनराशि) से जुटाई जायेगी। इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों से बीकानेर के सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन, खेल, कृषि और महिला रोजगार की नई गति मिलेगी।

इस पूरे प्रोजेक्ट का सबसे आकर्षक हिस्सा पूगल में विकसित होने वाला नाइट एस्ट्रो टूरिज्म (खगोल पर्यटन) केंद्र है। सीमांत क्षेत्र के साना और प्रदूषणमुक्त आसमान को भूगोल के लिए 3.20 करोड़ रुपये की लागत

पीबीएम में स्वाइन फ्लू के तीन संदिग्ध मरीज भर्ती

बीकानेर, (कासं)। प्रदेश में स्वाइन फ्लू के दस्तक देने के बाद पीबीएम अस्पताल में तीन संदिग्ध मरीजों को भर्ती किया गया है, जिसमें से एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पीबीएम अस्पताल मेडिसिन आउटडोर में गुरुवार को मरीजों की भारी भीड़ रही। मौसम में बदलाव के साथ ही वायरल बुखार सहित विभिन्न बीमारियों के रोगी पहुंचे। इसी दौरान दो बुजुर्ग और एक युवक की हालता गंभीर होने के कारण उन्हें भर्ती किया गया है। उनके निमोनिया बिगड़ा हुआ है। युवक शॉक की हालत में पहुंचा है। स्वाइन फ्लू का संदेह होने पर उनकी जांचें कराई जा रही हैं।

मेडिसिन एचओडी एवं मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि ओपीडी में मरीजों की भीड़



बीकानेर में वार्ड 79 से कांग्रेस प्रत्याशी शीतल भाटी के मुख्य चुनाव कार्यालय का उद्घाटन पूर्व मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला और शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने किया।

विजयी बनाएं और कांग्रेस का बोर्ड बनाने में भागीदार बनें। इसके लिए कार्यकर्ताओं की जी जान से जुटना होगा और एक-एक घर में जाकर एक-एक वोट कांग्रेस के निशान पर लगाना होगा। शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे यशपाल गहलोत ने कहा कि भाजपा का शासन अब कुशासन में बदल गया है।

खाद्य सामग्री के दाम आप सभी से छुपे हुए नहीं हैं। आज तेल, चीनी, चावल, दालें और अन्य सामान के दाम आसमान छू रहे हैं। आम आदमी महंगाई से त्रस्त है। शहर के विकास का जिम्मा लेने वाली भाजपा ने पिछले पांच साल में शहर का विनाश कर दिया। आज शहर की सड़कें टूटी पड़ी हैं। नालियां डटी हुई हैं। सीवरेज सड़ांध मारते हुए ओवरफ्लो होकर लोगों को

बीमार कर रहे हैं और भाजपा के नेता चैन की बंशी बजा रहे हैं। इस तरह से भाजपा की डबल इंजन सरकार ने विकास के नाम पर देश का विनाश कर दिया है और अब जनता को निकाय चुनाव में विजयी बनाने के लिए ट्रिपल इंजन का हवाला देकर वोट मांग रही है। आप सभी माताओं-बहनों और भाईयों और पिता तुल्य बुजुर्गों से मैं करबद्ध निवेदन करता हूँ कि आप

अवैध देशी शराब के 40 पखे सहित दबोचा

अरजनसर, (कासं)। अरजनसर-पल्लू मेगा हाईवे पर जैतपुर के पास महाजन पुलिस ने कार्बाई करते हुए अवैध देशी शराब के 40 पखे बरामद कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महाजन थाना अधिकारी भजनलाल ने बताया कि एएसआई जयप्रकाश यादव पुलिस टीम के साथ जैतपुर क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। रात करीब 11 बजे मेगा हाईवे पर बालाजी होटल के पीछे एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में बैठा दिखाई दिया। पुलिस की गाड़ी को देखकर वह मौके से भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पुलिस ने जब व्यक्ति की तलाशी ली तो उसके पास रकबे थैले से अवैध देशी शराब के 40 पखे बरामद हुए। शराब के संबंध में पूछताछ करने पर वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया।

पूछताछ में उसने अपना नाम पौराराम पुत्र अन्नदराम जाट, निवासी रानेरी, बालोतरा बताया। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम और निमोनिया के रोगी बड़े

बीकानेर, (कासं)। मौसम में बदलाव के साथ बीकानेर में स्वाइन फ्लू का खतरा भी बढ़ने लगा है। पीबीएम अस्पताल में सर्दी और जुकाम के रोगियों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी हुई है। स्वाइन फ्लू के संदेह में रोगियों का इलाज तो किया जा रहा है लेकिन हकीकत ये है कि अस्पताल प्रबंधन के पास इस बीमारी की जांच करने के लिए किट तक उपलब्ध नहीं है। अब तक तीन मरीज भर्ती किए गए हैं। इन मरीजों में स्वाइन फ्लू की आशंका को देखते हुए जांच करावाई जा रही है। हालांकि अभी तक किसी भी मरीज की रिपोर्ट स्वाइन फ्लू पॉजिटिव नहीं आई है।

पीबीएम अस्पताल के सीनियर डॉक्टर और मेडिसिन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. परमैश्वर सिरोही ने बताया कि मौसम में तब्दली के कारण वायरल

■ शहर के अस्सी वार्डों में मुख्य कार्यालय खुलने सहित जनसंपर्क के दौर ने अपनी गति पकड़ी

शीतल भाटी को वोट देकर विजयी बनाएं और भाजपा को आईना दिखाएं। वहीं कांग्रेस की पार्षद प्रत्याशी शीतल भाटी ने अपने संबोधन में कहा कि आज वक्त आ गया है, हमें केन्द्र व राज्य सरकार को यह बताने का कि पिछले ढाई सालों में जिस तरह से महंगाई बढ़ी, अपराध बढ़े, विकास के काम रुके इसका जवाब देने का। आप सबसे सहयोग से ना केवल वार्ड विजयी होगा अपितु बोर्ड भी बनेगा और शहर का विकास हम सब मिलकर करेंगे।

प्रत्याशी प्रतिनिधि विकास तंवर ने बताया कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में वार्ड की महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रत्याशी और समर्थकों ने घर-घर जाकर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी जिंदबाद, हमारा नेता केसा हो शीतल भाटी जैसा हो के नारे भी लगाए।

पूगल क्षेत्र में बारिश नहीं होने से फसलें सूखने लगी

पूगल, (कासं)। पूगल के आसपास के इलाकों में इस बार मानसून की कमी से किसान परेशान हैं। पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण बारानी खेतों में बोई गई फसलें खराब होने लगी हैं। नहरी इलाकों में पर्याप्त पानी नहीं मिलने से मूंगफली समेत दूसरी खरीफ फसलों को बचाना मुश्किल हो रहा है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सिंचाई पानी की समस्या को लेकर पूगल, दतौर, खाजुवाला और बज्जू समेत कई इलाकों के किसान लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। वे सरकार और नहर विभाग से नहरों को दो समूहों में चलाने की मांग कर रहे हैं। किसानों ने कहा कि अगर नहरों में मौजूद पानी का सही तरीके से इस्तेमाल कर दो समूहों में पानी दिया जाए तो फसलों को काफी हद तक बचाया जा सकता है।

वहीं गजनेर इलाके में मानसून की शुरुआत में हुई एक-दो बारिश के बाद

जालसाजी से जमीन हड़पने का मामला दर्ज

महाजन, (कासं)। महाजन थाना पुलिस ने 40 बीघा कृषि भूमि से जुड़े घोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में 10 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर की गई है। आरोप है कि इन लोगों ने जमीन हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए।

महाजन थानाधिकारी भजनलाल ने बताया कि महाजन निवासी गुलाम नबी पुत्र शेरखां ने कोर्ट में शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि साल 1993 में महाजन रेलवे लाइन के पास स्थित 40 बीघा कृषि भूमि एक इकरारनामे के आधार पर खरीदी थी। गुलाम नबी ने इसका पूरा भुगतान किया था और तब से वे लगातार इस जमीन पर खेती कर रहे हैं। गुलाम नबी का आरोप है कि 19 जून 2026 को कुछ लोग हथियारों के साथ उनके खेत पर पहुंचे। उन्होंने गुलाम नबी पर जमीन छोड़ने का दबाव बनाया। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी। जब गुलाम नबी ने जानकारी जुटाई तो उन्हें पता चला कि आरोपियों ने आगराधिक साजिश रचकर फर्जी मुख्यारनामा और बैनामा तैयार कर लिया है। इसी के आधार पर वे जमीन पर अपना हक जताने की कोशिश कर रहे हैं। कोर्ट के आदेश पर सुगन सिंह समेत 10 नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

■ नहरी इलाकों में भी किसानों को सिंचाई के लिए पूरा पानी नहीं मिल पा रहा है

किसानों ने अपने खेतों में बीज बोकर अच्छी फसल की उम्मीद की थी। इसके बाद बारिश नहीं हुई, जिससे खेतों में खड़ी फसलें अब पानी के लिए तरस रही हैं। लम्बे समय से बारिश न होने के कारण फसलों का बढ़ना रुक गया है। कई खेतों में पौधे मुरखाने लगे हैं।

किसानों ने कहा कि अगर समय पर बारिश नहीं हुई तो फसल पूरी तरह खराब हो सकती है। उन्होंने कहा कि बुवाई के समय हुई बारिश ने उम्मीद जगाई थी, लेकिन उससे के बाद पानी न गिरने से उनकी मेहनत पर संकट आ गया है। सावन के सूखा गुजरने के बाद किसानों का मानना है कि भावदे की शुरुआत में अच्छी बारिश हो जाए तो खेतों में खड़ी फसल को बचाया जा सकता है। इस बीच ग्रामीणों ने कहा कि कृष्ण जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण के पोताडिये धोने के लिए बरसात होती है।

सार-समाचार स्लोगन की पट्टियों से दिया मतदान करने का संदेश



उद्योग संघ के पदाधिकारियों ने हाथ्यों में मतदाता जागरूकता से संबंधित स्लोगन लिखी पट्टियों से मतदान के लिए प्रेरित किया।

बीकानेर, (कासं)। आगामी नगरीय निकाय चुनावों में मतदान को लेकर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से बीकानेर जिला उद्योग संघ में मतदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उद्योग संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हाथ्यों में मतदाता जागरूकता से संबंधित स्लोगन लिखी पट्टियां लेकर आमजन को मतदान के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बीकानेर जिला उद्योग संघ अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद पचीसिया ने लोकतंत्र में मतदान के महत्व को बताते हुए प्रत्येक पात्र मतदाता से अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने का आह्वान किया। स्लोगन के माध्यम से मतदान हमारा अधिकार ही नहीं, लोकतंत्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। जैसे संदेश दिए गए। पचीसिया ने बताया कि लोकतंत्र में उदयियों की भूमिका केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे अपने यहां कार्यरत कामगारों और कर्मचारियों को भी मतदान के लिए प्रेरित कर महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि सही प्रत्याशी का चयन शहर के विकास से सीधे जुड़ा है और बेहतर शहरी विकास का सकारात्मक प्रभाव व्यापार एवं उद्योग पर भी पड़ता है। उन्होंने उद्यमियों से जाति, धर्म, व्यक्तिगत पसंद अथवा किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना योग्य एवं सही प्रत्याशी का चयन करने की अपील की। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करना तथा लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर विजय चांडक, मनोष पिपाणी, विनोद जोशी, गुरदीप शर्मा, ओमप्रकाश सोनगर, योगेश भार्गव, ईश्वरचंद दुमगड़, राजेन्द्र सिंह राठीड़, टोडरमल चौपड़ा, सुरेन्द्र रावत, बाबूलाल कांकरिया, रामेश्वर लाल छीपा, जगदीश प्रसाद ढागा , कन्हैयालाल बोहरा, अशोक सुराणा, नरेश मिश्रत, श्यामसुन्दर सोनी, वीरेंद्र किराड़, विमल चोरडिया, अशोक गहलोत, निर्मल पाखड़ा, भवंलाल चांडक, राजीव शर्मा, परताराम चौधरी, ऋषिराज रामावत, योगेन्द्र मारू, शिशंशंकर व्यास, दिव्यम दरगड़, निखिल रामावत, युवराज रामावर, कपिश तिवाड़ी आदि उपस्थित थे।

निकाय चुनाव प्रचार में युवाओं को उतारने की तैयारी

हनुमानगढ़, (कासं)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार हनुमानगढ़ पहुंचे शंकर गोरा ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर युवा कार्यकर्ताओं में जोश भरा। जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित युवा सम्मेलन में उन्होंने कार्यकर्ताओं से जिलेभर के नगर निकायों में भाजपा का कमल खिलाने के लिए पूरी सक्रियता, समर्पण और निष्ठा के साथ मैदान में उतरने का आह्वान किया। सम्मेलन का अध्यक्षता भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुशील जोशी ने की। इसमें जिलेभर से युवा मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष शंकर गोरा ने कहा कि युवा कार्यकर्ता संगठन की नींव है और उनकी सक्रियता से संगठन को नई ताकत मिलती है। उन्होंने युवाओं से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। गोरा ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन की विचारधारा और सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के साथ चुनावी मैदान में पूरी ताकत से उतरना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी के लिए काम करने का आ न किया। गोरा ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में युवा कार्यकर्ताओं की भूमिका अहम रहे वाली है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी सक्रियता, समर्पण और निष्ठा के साथ काम कर जिलेभर के नगर निकायों में भाजपा का कमल खिलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए लगातार सक्रिय रहना होगा और सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाना होगा।

जन्माष्टमी पर कृष्ण लीला दिखाई

श्रीगंगानगर, (कासं)। यहां प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरिय विश्वविद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई। नहें-मुन्ने बच्चों ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजकर नृत्य किए और श्रीकृष्ण-राधा की बाल लीलाएं दिखाई। इस दौरान विश्वविद्यालय में पूरा माहौल भक्तिमय में हो गया और जय श्रीकृष्ण के जयकारे गुंजते रहे। बच्चों ने केक काटा और मटकी भी फोड़ी। कार्यक्रम की संयोजक ब्रह्मकुमारी दीदी मोहन ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, सत्य, कर्म, धर्म और मानवता का संदेश देता है। उनके आश्रयों को अपनाकर हम अपने व्यवहार और विचारों में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। बच्चों को संस्कारवान बनाना और भारतीय संस्कृति से जोड़ना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। ब्रह्मकुमारी दीदी उपा ने कहा कि श्रीकृष्ण केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि श्रेष्ठ जीवन मूल्यों के प्रतीक हैं। जन्माष्टमी हमें नकारात्मक विचारों को छोड़कर सत्य, प्रेम, शांति और सद्भाव अपनाने की प्रेरणा देती है। मुख्य अतिथि जेल अधिकारी हेमराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने विपरीत परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य का मार्ग नहीं छोड़ा। उनका जीवन हमें धैर्य, साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। बच्चों में अच्छे संस्कार और नैतिक मूल्य समाज को बेहतर दिशा देते हैं। बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को उन्होंने नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम बताया। महान्या गंधी राजकीय विशालय की प्रधानाचार्या रिपा तलवार ने कहा कि श्रीकृष्ण का बाल स्वस्फ बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है, लेकिन उनके जीवन के आदर्श हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक हैं।

कम वोल्टेज से परेशान ग्रामीणों ने 33 केवी जीएसएस को घेरा

बज्जू, (कासं)। गौड़ गांव में पिछले करीब 15 दिनों से कम वोल्टेज की समस्या से परेशान ग्रामीणों और किसानों ने शुक्रवार सुबह 33 केवी जीएसएस का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया। आक्रोशित ग्रामीणों ने जीएसएस पर तालाबंदी कर बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लंबे समय से वोल्टेज बेहद कम आ रहा है। इससे घरों में बिजली के उपकरण ठीक से नहीं चल पा रहे हैं। कम वोल्टेज के कारण कई उपकरण जलने से ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि कम वोल्टेज का असर चक 5 आरडीआई में बनी जल स्क्रीम पर भी पड़ रहा है। कम वोल्टेज के कारण जल स्क्रीम की मोटेंट्र नहीं चल पा रही है। इससे गांव में पेयजल संकट गहरा

गया है और ग्रामीणों को पेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धरना-प्रदर्शन में सहौराम गोदारा, अनोपराम बैनीवाल, गणपतराम भांभू, काशीराम धायल और श्यामसुन्दर डेलू सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

सूचना मिलने पर बज्जू डिस्कॉम के कनिष्ठ अभियंता (जेईएन) रामगोपाल गौड़ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि 132 केवी जीएसएस की बिजली लाइन के तार बदलने और अपग्रेडिंग का काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि साखड़ के अभियंता बज्जू ओमप्रकाश जाखड़ ने 24 आपसत को राज्य बिजली प्रसारण निगम के सहायक अभियंता कोलायत को पत्र भेजकर कृषि सीजन के खतम होने तक 132 केवी बज्जू पीएस-1 लाइन के अपग्रेडिंग कार्य को अस्थायी रूप से रोकने का आग्रह किया था।



छबीली घाटी स्थित सेवा सदन में आचार्यश्री रामलाल, उपाध्याय प्रवर राजेश मुनि के सानिध्य में चार मुमुक्षुओं ने भगवती दीक्षा ग्रहण की।

ज्नागढ़ किला परिसर में 7 मार्च 1992 को चतुर्विंद संघ की विपुल उपस्थिति में आचार्यश्री नाना लालजी

म.सा. से युवाचार्य को पदवी हासिल की थी तथा उदयपुर में संघ का सर्वोच्च आचार्य पद ग्रहण किया।

साधुमार्गी जैन संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी व सेवा समिति के मंत्री सुरेश बच्छावत ने बताया कि वर्तमान

अचार्य रामलालजी म.सा. ने वर्ष 2001 में अक्षया तृतीया पर 11 मुमुक्षुओं को दीक्षा दी। आचार्यजी ने बीकानेर इस वर्ष 13 श्रावक-श्राविकाओं को पांच महाव्रत का संकल्प धारण करवाकर साध्वी व मुनि रूप में दीक्षित किया है।

इसी वर्ष 28 जनवरी 2026 को उदासूर में रामाशीश मुनि ने, 2 अप्रेल को नोखा में श्री राम दीप श्रीजी ने, 23 अप्रेल को नोखा में रामदीपा श्रीजी, रामकाव्या श्रीजी, राम कार्णिका श्रीजी, रामयशशा श्रीजी व राम कलती श्रीजी ने तथा 22 जून 2026 को नोखा में ही राम भाविका श्रीजी व रमेपीजी ने दीक्षा ग्रहण की थी। अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के अहिंसा प्रचारक महेश नाहटा ने बताया नव दीक्षित मुनि व साध्वीवृंद को मिलाकर वर्तमान संघ में 96 संत मुनिराज व 549 संत सतिंयांजी (साध्वी) हो गए।

अंत्योदय कार्डों में फर्जीवाड़े पर झुंझुनूं कलैक्टर सरख्त, 122 कार्ड जांच के घरे में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अंत्योदय अन्न योजना का लाभ लेने के लिए राशन कार्डों की श्रेणी बदलने में कथित अनियमितता का मामला सामने आया

झुंझुनूं, (निसं)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) का लाभ लेने के लिए राशन कार्डों की श्रेणी बदलने में कथित अनियमितता का बड़ा मामला सामने आया है। जिले में 122 राशन कार्डों को प्राथमिकता परिवार (पीएचएच) श्रेणी से अंत्योदय (एएवाई) श्रेणी में नियम विरूद्ध तरीके से परिवर्तित किए जाने की प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है। कई मामलों में अंत्योदय श्रेणी के लिए पात्रता संबंधी वैध दस्तावेज आवेदन के साथ संलग्न नहीं मिले। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने संबंधित राशन कार्डों और ई-मित्र आईडी की जांच के आदेश दिए हैं।

जांच में सामने आया कि कई परिवारों ने ई-मित्र के माध्यम से अंत्योदय श्रेणी में चयन के लिए आवेदन किया, लेकिन पात्रता साबित करने वाले जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए। कुछ आवेदन अपूर्ण पाए गए तो कुछ राशन कार्डों में अन्य संशोधनों के साथ श्रेणी परिवर्तन भी

- 122 प्रकरणों में सबसे ज्यादा 50 मामले विकास अधिकारी, उदयपुरवाटी क्षेत्र के सामने आए हैं. नगर पालिका नवलगढ़ में 30 और विकास अधिकारी, नवलगढ़ क्षेत्र में 22 प्रकरण हैं**
- मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने संबंधित राशन कार्डों और ई-मित्र आईडी की जांच के आदेश दिए**

किया गया। अब प्रशासन ने पूरे मामले में आवेदन से लेकर अनुमोदन तक की प्रक्रिया की जांच शुरू कर दी है।

जिला रसद अधिकारी संदीप गौड़ ने बताया कि संबंधित 122 राशन कार्डधारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस प्राप्त होने के सात दिन के भीतर जिला रसद कार्यालय में उपस्थित होकर वैध दस्तावेजों सहित स्पष्टीकरण देना होगा। निधारित समय में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने अथवा पात्रता साबित नहीं होने की स्थिति में गेहूं की राशि 3०.57 रूपए प्रति किलो की दर से वसूल की जाएगी।

मामले में ई-मित्र संचालकों की

भूमिका भी जांची जाएगी। संबंधित ई-मित्र आईडी की सूची सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है। प्रशासन ने ई-मित्र संचालकों को निर्देश दिए हैं कि अंत्योदय श्रेणी के आवेदन केवल वैध दस्तावेजों के आधार पर ही किए जाएं। लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित ई-मित्र संचालक के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

प्रारंभिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि कुछ मामलों में नगर निकाय एवं पंचायत समिति के कार्मिकों ने राशन कार्डों का अनुमोदन

करते समय अंत्योदय श्रेणी के लिए जरूरी दस्तावेजों की परीक्षा जांच नहीं की। ऐसे में श्रेणी परिवर्तन का अनुमोदन करने वाले संबंधित कार्मिक भी जांच के दायरे में रहेंगे। जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग के निर्देश पर संबंधित विकास अधिकारियों और नगर निकाय अधिकारियों को प्रकरणों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच में आवेदन पत्र, संलग्न दस्तावेज, श्रेणी परिवर्तन की प्रक्रिया और अनुमोदन से जुड़े रिकॉर्ड की पड़ताल की जाएगी।

3.5 किलो गेहूं के लिए बदली श्रेणी? **:-** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पीएचएच श्रेणी के परिवारों को प्रति सदस्य प्रतिमाह 5 किलो गेहूं, जबकि अंत्योदय परिवार को प्रति राशन कार्ड 35 किलो गेहूं दिया जाता है। ऐसे में दोनों श्रेणियों के बीच मिलने वाले गेहूं की मात्रा में बड़ा अंतर है। जिले में संबंधित राशन कार्डों की श्रेणी में बदलाव फरवरी-मार्च 2०25 के दौरान किए गए थे। प्रशासन अब यह जांच कर रहा है कि श्रेणी परिवर्तन

अजमेर कांग्रेस में ऑनलाइन टिकट वितरण को लेकर उठ रहे हैं विवाद

वाई 67 के टिकट ने खोली अजमेर कांग्रेस की अंदरूनी सियासत की परतें

अजमेर, (कासं)। नगर निगम चुनाव 2०26 में नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो चुकी है, लेकिन कांग्रेस में टिकट वितरण को लेकर उठे विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। खासकर वाई 67 में टिकट वितरण को लेकर पार्टी के भीतर ही सवाल उठाए जा रहे हैं। टिकट के लिए आवेदन करने वाले कई दावेदारों को दरकिनार कर गोविंदराम जादम को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद कांग्रेस के अंदरूनी समीकरणों और टिकट वितरण की प्रक्रिया को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व की ओर से टिकट के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था लागू की गई थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की ओर से यह स्पष्ट किया गया था कि ऑनलाइन आवेदन नहीं करने वाले दावेदारों को टिकट नहीं दिया जाएगा। ऐसे में वाई 67 में टिकट वितरण को लेकर पार्टी के ही नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है कि यदि किसी दावेदार ने ऑनलाइन

- टिकट के लिए आवेदन करने वाले कई दावेदारों को दरकिनार कर गोविंदराम जादम को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद टिकट वितरण की प्रक्रिया को लेकर चर्चाओं का दौर तेज**
- टिकट वितरण को लेकर आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ की भूमिका भी कांग्रेस के भीतर चर्चा का विषय बनी हुई है**

आवेदन नहीं किया था तो उसे टिकट किस आधार पर मिला।

आवेदन करने वाले दावेदार रह गए पीछे **:-**वाई 67 से शंकर गुरु के पुत्र ओम शर्मा, अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग

विभाग के महासचिव खुशवंत रोहिल्ला तथा वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता अशोक मेहरा सहित कई लोगों ने टिकट के लिए दावेदारी जताई थी। इसके बावजूद गोविंदराम जादम को पार्टी प्रत्याशी बनाए जाने से टिकट के इच्छुक दावेदारों में असंतोष की चर्चा है। पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं का आरोप है कि टिकट वितरण में स्थानीय संगठन और लंबे

समय से पार्टी के लिए काम कर रहे कार्यकर्ताओं की दावेदारी की अपेक्षा अन्य राजनीतिक समीकरणों को अधिक महत्व दिया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

टिकट वितरण को लेकर आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ की भूमिका भी कांग्रेस के भीतर चर्चा का विषय बनी हुई है। पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं का दावा है कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में टिकट वितरण के माध्यम से राठौड़ अपने राजनीतिक प्रभाव का आधार मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

समर्थकों को टिकट मिलने से

बढ़ी नजदीकी, असंतुष्टों में नाराजगी **:-**कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं के बीच यह भी चर्चा है कि जिन नेताओं और कार्यकर्ताओं को टिकट मिला है, वे अपने चुनाव कार्यालयों के उद्घाटन और जनसंपर्क कार्यक्रमों में धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ को प्रमुखता दे रहे हैं। वहीं टिकट से वंचित रहे कुछ दावेदार और उनके समर्थक खुले तौर पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। टिकट

वितरण के विरोध में कुछ स्थानों पर राठौड़ के विरोध में प्रदर्शन और पुतले जलाए गये थे, इससे साफ है कि नगर निगम चुनाव के बीच कांग्रेस के भीतर टिकट को लेकर असंतोष सहह पर आ गया है। कार्यकर्ताओं का एक वर्ग यह भी मानता है कि चुनाव परिणाम चाहे जो रहे, टिकट वितरण की पूरी प्रक्रिया का राजनीतिक श्रेय और जिम्मेदारी शहर कांग्रेस नेतृत्व पर भी आएगी। यदि कांग्रेस नगर निगम में बोट बंटने में सफल रहती है तो संगठन के नेतृत्व को इसका श्रेय मिलेगा, जबकि असफलता की स्थिति में टिकट वितरण को लेकर उठे सवाल और अधिक तेज होने की संभावना है।

रूपनगढ़ में 32 हजार किलो से अधिक खाद्य स्टॉक जब्त

रूपनगढ़, (कासं)। रूपनगढ़ स्थित सीजी फूड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की इकाई में खाद्य सुरक्षा मानकों के कथित उल्लंघन का मामला सामने आया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की टीम ने निरीक्षण के दौरान करीब 32,1०7 किलोग्राम खाद्य स्टॉक जब्त किया है। अधिकारियों ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच के दौरान अधिकारियों को यूनिट में फर्श पर गिरे और टूटे हुए नूडल्स को दोबारा इस्तेमाल कर भुजिया उत्पाद तैयार किए जाने की जानकारी मिली। जांच में निधारित हीट ट्रीटमेंट प्रक्रिया को लेकर भी अनियमितता सामने आने की बात कही गई है। इसके अलावा कुछ उत्पादों पर पुरानी पैकेजिंग तारीखों के इस्तेमाल का मामला भी जांच में सामने आया।

जांच के दौरान 'वाई-वाई मा मा' और 'वाई-वाई मामा पुंटे' नाम से भुजिया उत्पादों का कथित रूप से

- फर्श पर गिरे और टूटे नूडल्स के दोबारा इस्तेमाल सहित कई अनियमितताएं सामने आईं, बिना लाइसेंस उत्पादन का भी मामला**
- कुछ उत्पादों पर पुरानी पैकेजिंग तारीखों के इस्तेमाल का मामला भी जांच में सामने आया**

आवश्यक लाइसेंस के बिना उत्पादन किए जाने की जानकारी मिली। एफएसएसएआई ने कंपनी को आवश्यक मंजूरी के बिना वेज भुजिया नमकीन का उत्पादन तत्काल बंद करने के निदेश दिए हैं।

निरीक्षण के दौरान युनिट की सफाई व्यवस्था में भी कई कमियां पाए जाने की बात सामने आई। इसके साथ ही आवश्यक दस्तावेजों में खामियां और पर्याप्त पेस्ट-कंट्रोल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की जानकारी भी जांच टीम ने दर्ज की। एफएसएसएआई की टीम ने प्रयोगशाला जांच के लिए नूडल्स, वेज

भुजिया, इस्तेमाल किए गए कुकिंग ऑयल तथा 'वाई-वाई रेडी टू ईट नूडल्स' के नमूने लिए हैं। इसके अलावा करीब 1,925 बॉक्स तैयार उत्पादों की भी रोक दिया गया है, जिन्हें एक्सपायर्ड बताया गया है।

एफएसएसएआई ने कंपनी एवं संबंधित खाद्य कारोबार संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार आगे की कार्रवाई प्रयोगशाला जांच की रिपोर्ट और निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों के आधार पर की जाएगी। फिलहाल जब्त खाद्य स्टॉक और लिए गए नमूनों की जांच प्रक्रिया जारी है।

झांसा देकर खाते से 3.60 लाख रुपये पार किए

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाल लिंक रोड कमला नगर अस्पताल के पास रहने वाले एक शख्स के साथ शक्तिर ने साइबर ठगी कर ली। उसे लोन दिलाने का झांसा देकर 3.6० लाख रूपए बैंक खाते से उड़ा लिए। पता लगाने पर पड़ित की तरफ से साइबर पुलिस पर शिकायत दी गई। अब देवनगर पुलिस ने आईटी एक्ट एवं धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। घटना 28-29 अगस्त की है। देवनगर थानाधिकारी कमल किशोर ने बताया कि कमला नगर अस्पताल पाल

जोधपुर में मानसून सीजन की 65 फीसदी कम बरसात

जोधपुर, (कासं)। शहर में शुक्रवार को मौसम साफ बना रहा। हालांकि इसके साथ ही हल्के बादल भी छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई। मौसम विभाग के अनुसार 9 सितंबर तक बारिश का अलर्ट नहीं है। शहर में अगस्त महीने के शुरूआती कुछ दिनों के बाद से बारिश नहीं हुई है। महीनेभर से शहर सूखा है। तापमान में भी पिछले कुछ दिनों से बढ़ोतरी हुई है। शहर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आने वाले कुछ दिनों में बारिश नहीं होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार एक सितंबर तक जोधपुर में एक जून से सामान्य से 65 प्रतिशत कम बारिश हुई है। सामान्य बारिश 254.7 एमएम होनी चाहिए थी, जबकि इस बार केवल 189.2 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई, जो कि मानसून सीजन क सामान्य से 65.5 फीसदी कम है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों के लिए जोधपुर शहर में किसी भी तरह का कोई बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। हालांकि इस दौरान बादल छाए रहेंगे।

युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर खेड़ापा के पास सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा तेज रफ्तार ट्रक और बाइक के बीच हुई भिड़ंत के कारण हुआ। सूचना मिलते ही खेड़ापा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान लोरडी पंडितजी निवासी किलागम पुत्र मोहनराम सरगार के रूप में हुई है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को साइड में करवाकर यातायात सामान्य किया। इसके बाद पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर बावड़ी राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जोधपुर में हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में भीषण आग लगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के बोरानाडा स्थित पेप्सी तिराहा से आगे एक हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में सुबह आग लग गई। आग से लाखों का माल जलकर नष्ट हो गया। आठ दमकलों ने दस बारह फेरे कर दो घंटे से अधिक समय में इस आग पर काबू पाया। आगजनी में कोई हताहत नहीं हुआ है। आग लगने के प्रथम दृष्टया कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है।

बासनी फायर स्टेशन के प्रभारी

उदयपुर में हिस्ट्रीशीटर और उसके गुर्गों ने दो घरों पर फायरिंग की

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र के मल्लातलाई इलाके में गुरुवार देर रात करीब एक बजे बाइक और स्कूटी पर चार बदमाशों ने दो गलियों में अलग-अलग घरों के बाहर फायरिंग की दो घटना को अंजाम दिया है। वारदात में हिस्ट्रीशीटर शामिल है, जिसने खुद गुर्गों के साथ मिलकर फायरिंग की, जिसके घर फायरिंग हुई उसका भी अपराधिक रिकॉर्ड है। क्षेत्र में वर्चस्व और खोफ कायम करने की बदमाशों की आपसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया है। शहर में लगातार पांच दिन में फायरिंग की चार वारदातों से न सिर्फ शहरवासियों में दहशत है, बल्कि इन वारदातों ने पुलिस की भी नींद उड़ायी हुई है। फायरिंग की इस वारदात के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और बदमाशों की धरपकड़ की जा रही है। पुलिस ने फायरिंग करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित तीन आरोपियों को डिटेन कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात करीब एक बजे मल्लातलाई स्थित एक गली में हिस्ट्रीशीटर बाइक पर गुर्गे के साथ पहुंचा। हिस्ट्रीशीटर ने विरोधी अरबाज के घर पर कांच की बोतलें फेंकी और अवैध देशी कट्टे से फायरिंग

- जिसके घर फायरिंग हुई, उसका भी अपराधिक रिकॉर्ड बताया जा रहा है**
- पुलिस ने फायरिंग करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित तीन आरोपियों को डिटेन कर लिया**

की फरार हो गया। वहीं दूसरी गली में अरबाज के दोस्त मोहम्मद आरिफ के घर के बाहर स्कूटी पर हिस्ट्रीशीटर के दूसरे गुर्गे पहुंचे। इन दोनों ने आरिफ के घर पर कांच की बोतलें फेंकी और फायरिंग कर फरार हो गए। अरबाज जिसके घर फायरिंग हुई उसका भी अपराधिक रिकॉर्ड है। फायरिंग करने वाला हिस्ट्रीशीटर और जिसके घर फायरिंग हुई ये बदमाश क्षेत्र और विरोधी बदमाशों में खौफ कायम करने एक दूसरे को डराते धमकाते हैं, इसी उद्देश्य से यह फायरिंग की वारदात हुई। उदयपुर शहर में खौफ और वर्चस्व कायम करने बदमाशों में फायरिंग हो रही है। आशंका

रुदावल में आकाशीय बिजली गिरने से किशोर की मौत, दो घायल

- तीनों बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे बैठे थे, इसी दौरान आकाशीय बिजली गिर गई**

अपने बड़े भाई सुनील गुर्जर (18) और करीब 6० वर्षीय केशर देवी के साथ गांव के जंगल में खेतों की ओर मवेशी चराने गए थे। इसी दौरान शुक्रवार दोपहर अचानक मौसम बदल गया। आसमान में घने बादल छा गए और तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए तीनों पास ही स्थित एक पेड़ के नीचे बैठ गए। कुछ देर बाद अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली पेड़ पर गिर गई। बिजली की चपेट में आने से नितेश गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई सुनील और

केशरदेवी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलने पर आसपास मौजूद लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। दोनों घायलों को तत्काल बयाना अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने सुनील और केशरदेवी को भरतपुर रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर रुदावल थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने किशोर के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जहरीला चारा खाने से 10 पशु बीमार

रामगंजमंडी, (निसं)। क्षेत्र के रिछड़िया गांव में जहरीला चारा खाने से 1० पशु बीमार हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से सभी बीमार पशुओं को तत्काल राजकीय बृहदेशीय पशु चिकित्सालय रामगंजमंडी लाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, रिछड़िया निवासी नंदलाल गुर्जर के मवेशी बारिश के मौसम में खेत व आसपास उगी अवांछित झाड़ियों और चारे को खा रहे थे। चारा खाने के कुछ ही देर बाद पशुओं की तबीयत बिगड़ने लगी।

छबड़ा में देर रात से बारिश का दौर जारी, चुनाव प्रचार की रफ्तार थमी

छबड़ा, (निसं)। नगर पालिका चुनाव को लेकर शहर में चल रहे चुनाव प्रचार अभियान पर मौसम ने ब्रेक लगा दिया है। देर रात से लगातार हो रही बारिश के चलते शुक्रवार को चुनावी गतिविधियों की रफ्तार धीमी पड़ गई। बारिश के कारण प्रत्याशियों के जनसंपर्क और प्रचार कार्यक्रम प्रभावित हुए तथा कई स्थानों पर सड़कों और बाजारों में भी सामान्य दिनों की अपेक्षा आवाजाही कम नजर आई। नगर पालिका के 35 वार्डों में प्रत्याशी इन दिनों घर-घर संपर्क

कर मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं। सुबह से ही प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की टोलियां विभिन्न वार्डों में जनसंपर्क के लिए निकलती हैं, लेकिन बारिश के चलते शुक्रवार को प्रचार अभियान प्रभावित रहा। लगातार बारिश के कारण प्रत्याशियों को अपने निर्धारित कार्यक्रमों में बदलाव करना पड़ा।

हालांकि मौसम खराब होने के बावजूद चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी और उनके समर्थक प्रचार को पूरी तरह रोकने के बजाय मौसम खुलने का

इंतजार करते नजर आए। कई प्रत्याशियों ने बारिश थमने के बाद सीमित स्तर पर जनसंपर्क करने की रणनीति अपनाई। चुनावी मुकाबला नजदीक आने के साथ प्रत्याशी एक-एक मतदाता तक पहुंचने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

लगातार बारिश के कारण कच्चे रास्तों और गलियों में आवागमन प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में दूर-दराज के क्षेत्रों में जनसंपर्क करना प्रत्याशियों के लिए चुनौती बन गया है।

श्रीगंगानगर में मैदा बनाने वाली कंपनी से 54 लाख रुपए की धोखाधड़ी

- ग्यारह हजार क्विंटल मैदा खरीदकर भुगतान रोका, गुजरात-महाराष्ट्र के 7 करोड़पाई पर केस दर्ज**

राधे कृष्णा एंटरप्राइजेज, अहमदाबाद और एक ट्रक बीएम सोमया, राजकोट के नाम पर बुक किए गए। बाद में एक ऑर्डर पोयम एंटरप्राइजेज के नाम पर बदल दिया गया। विनोद बरोट ने राधे कृष्णा एंटरप्राइजेज, पोयम एंटरप्राइजेज, खुशी कॉर्पोरेशन, ज्यूप इंस्ट्रियल (नासिक), ग्वालियर एडिबस्कर, नील्रंग एग्री प्रोडक्ट्स, ड्रुग एग्री एंड फूड और रतनकांत एग्री इंडस्ट्रीज समेत कई फर्मों के नाम बताए। इन फर्मों को 2०25-26 में करीब 1१ हजार क्विंटल मैदा सप्लाई किया गया।

बीकानेर, (निसं)। तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती-2०22 के संशोधित परिणाम से प्रभावित शिक्षकों के मामले में प्रदेश में एक ही भर्ती के बावजूद अलग-अलग जिलों में अलग व्यवस्था सामने आ रही है। कुछ जिलों में प्रभावित शिक्षकों का वेतन नियमन और स्थायीकरण कर दिया गया है, जबकि करीब 5०0 शिक्षक अब भी अपने अधिकार के लिए विभागीय कार्यालयों और सचिवालय के चक्कर काट रहे हैं। करीब एक वर्ष पहले हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने प्रभावित शिक्षकों के पक्ष में फैसला दिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने भी मामले में 'नो अपील' का

निर्णय लिया। इसके बावजूद सभी प्रभावित शिक्षकों को समान रूप से राहत नहीं मिल पाई है। प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, पाली, अलवर, कोटपुतली-बहरोड़, जयपुर, खैरथल-तिजारा, नागौर और झुंझुनूं सहित कई जिलों में शिक्षकों का वेतन नियमन और स्थायीकरण किया जा चुका है।

महात्मा गांधी विद्यालयों में कार्यरत प्रभावित शिक्षकों को भी इसका लाभ मिल चुका है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर की ओर से पूर्व में कहा गया था कि आगामी न्यायिक निर्णय के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। शिक्षकों का कहना है कि मामले में

डिवीजन बेंच का फैसला अगस्त 2०25 में आ चुका है और सरकार 'नो अपील' का निर्णय भी ले चुकी है। इसके बावजूद सभी जिलों में एक समान आदेश जारी नहीं किए गए। प्रभावित शिक्षक बताते हैं कि मुख्यमंत्री स्तर पर 4 अप्रैल 2०25 को हुई बैठक में भी इस मामले को लेकर निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने से शिक्षकों में नाराजगी है। 13०0 शिक्षक हुए प्रभावित, करीब 1०00 अभी कार्यरत भर्ती के संशोधित परिणाम से कुल करीब 13०0 शिक्षक प्रभावित हुए थे। इनमें लगभग 1००0 शिक्षक वर्तमान में कार्यरत हैं।

जोधपुर में मानसून सीजन की 65 फीसदी कम बरसात

रूपनगढ़ में 32 हजार किलो से अधिक खाद्य स्टॉक जब्त

जोधपुर में मानसून सीजन की 65 फीसदी कम बरसात

जोधपुर में मानसून सीजन की 65 फीसदी कम बरसात

जोधपुर में मानसून सीजन की 65 फीसदी कम बरसात

जोधपुर में मानसून सीजन की 65 फीसदी कम बरसात

जोधपुर में मानसून सीजन की 65 फीसदी कम बरसात

‘‘नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...’’

गोविंददेवजी मंदिर में अलमुबह 4 बजे से उमड़े श्रद्धालु, जयकारों से गूंजी छोटीकाशी



जन्माष्टमी पर जयपुर के आराध्यदेव गोविंददेवजी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शनों के लिए अलसुबह से कतारें लगीं। चौड़ा रास्ता स्थित राधा-दामोदारजी मंदिर में दोपहर 12 बजे भगवान का प्राकट्योत्सव हुआ।

–कार्यालय संवाददाता–
जयपुर। “नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...” के जयघोष से शुक्रवार को छोटी काशी जयपुर कृष्णमय हो उठी। रिमझिम बारिश के बीच सुबह से देर रात तक शहर के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रही। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक, श्रृंगार, भजन-कीर्तन, झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। मध्यरात्रि में कान्हा के प्राकट्य के साथ मंदिरों में शंख-घड़ियाल, नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच उल्लास छा गया।

गोविंददेवजी में तड़के 4 बजे से दर्शन

छोटी काशी के आराध्य ठाकुर श्री गोविंददेवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सात्रिध्य में जन्माष्टमी महापर्व मनाया गया। तड़के 4 बजे मंगला झांकी के पट खुले तो श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रिमझिम बारिश के बावजूद लंबी कतारें लगी रही। मंगला झांकी से पहले ठाकुरजी का

- रात 12 बजे 31 तोपों की गर्जना के बीच हुआ भगवान श्रीकृष्ण का जन्म**
- गोविंददेवजी मंदिर में 1100 स्वयंसेवकों और 1000 से अधिक पुलिसकर्मियों ने संभाली व्यवस्था**

पंचामृत अभिषेक कर नवीन पीत वस्त्र धारण कराए गए और विशेष पुष्प श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को ‘बधाई है’ और स्वास्तिक की पताकाओं से सजाया गया।

भारी भीड़ को देखते हुए जलेब चौक से प्रवेश और जय निवास बाग के पूर्वी व पश्चिमी गेट से निकासी की व्यवस्था रही। दर्शन पास, बिना जूते-चप्पल और जूते-चप्पल के साथ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गईं। परिसर में 13 एलईडी स्क्रीन लगाई गईं। हरि कीर्तन और प्रसाद स्टॉलों ने माहौल भक्तिमय बनाए रखा। सुरक्षा के लिए करीब 1100 स्वयंसेवक, 150 स्काउट और

1000 से अधिक पुलिसकर्मों तैनात रहे। मंदिर को 12 सेक्टर में बांटकर तीन पारियों में ड्यूटी लगाई गई। डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों के साथ आएएसी कंपनियां व चुड़सवार पुलिस तैनात रही। मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी, एआई कैमरों और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम से निगरानी की गई।

रात 10 से 11 बजे तक जन्माष्टमी व्रत कथा हुई। मध्यरात्रि 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म के अवसर पर 31 तोपों की हवाई गर्जना और विशेष आतिशबाजी की गई। जन्म के बाद पंचामृत अभिषेक में 425 लीटर दूध, 365 किलो दही, 11 किलो घी, 85 किलो बूरा और 11 किलो शहद का उपयोग किया गया। पंजीरी, लड्डू, खिरसा और रबड़ी कुल्हड़ का भोग लगाया गया।

तीन मंदिरों में दोपहर 12 बजे प्राकट्योत्सव

जयपुर के अधिकांश मंदिरों में श्रीकृष्ण जन्म मध्यरात्रि में मनाया गया, वहीं रामगंज बाजार स्थित श्री लाडलीजी मंदिर, चौड़ा रास्ता स्थित राधा-दामोदरजी मंदिर और नाहरगढ़

पहाड़ी स्थित चरण मंदिर में दोपहर 12 बजे प्राकट्योत्सव हुआ। लाडलीजी मंदिर में ललित संप्रदायाचार्य संजय गोस्वामी के सात्रिध्य में दोपहर 12 से 3 बजे तक ठाकुर किशोरी रमण का जन्मोत्सव मनाया गया। अभिषेक, बधाई गायन, समाज उछाल और प्रसाद वितरण हुआ। राधा-दामोदरजी मंदिर में महंत मलय गोस्वामी के सात्रिध्य में करीब 40 मिनट तक पंचामृत से जन्माभिषेक हुआ। चरण मंदिर में भी दोपहर में अभिषेक किया गया।

आज निकलेगी गोविंददेवजी की शोभायात्रा

जन्माष्टमी के अगले दिन शनिवार को गोविंददेवजी की भव्य शोभायात्रा शाम 4.30 बजे श्री गोविंददेवजी मंदिर से रवाना होगी। यह जलेबी चौक, सिरहदयोद्धी बाजार, बांदरवाल गेट, बडी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगनेरी गेट, बापू बाजार, न्यूगेट, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल

जयपुर जिले की 19 पंचायत समितियों में

प्रशासक नियुक्त

–कार्यालय संवाददाता–

जयपुर । जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर संदेश नायक ने राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 95 तथा धारा 101 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जयपुर जिले की 19 पंचायत समितियों में प्रशासक नियुक्त किए हैं। प्रशासकों की नियुक्ति संबंधित पंचायत समिति के नवनिर्वाचन के पश्चात् गठित पंचायत समिति की प्रथम बैठक की तिथि के ठीक पूर्ववर्ती दिन तक प्रभावी रहेगी।

आदेश के अनुसार अमेर पंचायत समिति में उपखण्ड अधिकारी अमेर, आंधी एवं जवहरामगढ़ में उपखण्ड अधिकारी जमवारामगढ़, बस्सी एवं तुंगा में उपखण्ड अधिकारी बस्सी, चाकसू एवं कोटखावदा में उपखण्ड अधिकारी चाकसू, ददू में उपखण्ड अधिकारी ददू, गोविंदगढ़ में उपखण्ड अधिकारी चोमू, जालसू में उपखण्ड अधिकारी रामपुरा डाबड़ी, झोटवाड़ा में उपखण्ड अधिकारी जयपुर, जोबनेर में उपखण्ड अधिकारी जोबनेर, किशनगढ़-रेनवाल में उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़-रेनवाल, माधोरानपुरा में उपखण्ड अधिकारी माधोरानपुरा, मौजमाबाद में उपखण्ड अधिकारी मौजमाबाद, फागी में उपखण्ड अधिकारी फागी, सांभरलेक में उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक, सांगानेर में उपखण्ड अधिकारी सांगानेर, शाहपुरा में उपखण्ड अधिकारी शाहपुरा, को प्रशासक नियुक्त किया गया है। इन पंचायत समितियों में नियुक्त प्रशासक संबंधित पंचायत समिति के कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

जे.सी.बी. की खुदाई में गैस पाइपलाइन टूटने से हड़कंप

जयपुर । झोटवाड़ा थाना इलाके के कमानी मोड़ चौराहे पर शुक्रवार दोपहर जेसीबी से खुदाई के दौरान टोरेंट गैस की पाइपलाइन क्षितग्रस्त हो गई। पाइपलाइन टूटते ही गैस कारिसाव-शुरू हो गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना दोपहर करीब साढ़े 12 बजे की है। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही पुलिस, सिविल डिफेंस की टीम और संबंधित विभागों की टीमों मौके पर पहुंचीं।

एहतियात के तौर पर इलाके की बिजली सप्लाई बंद करवाई गई। किसी भी तरह की अनहोनी की आशंका को देखते हुए आसपास का यातायात डायवर्ट कर दिया गया और लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की गई।

‘जेडीए की सीलिंग कार्रवाई के विरोध में सुप्रीम कोर्ट जाएंगे कोचिंग संस्थान’

जयपुर । गोपालपुरा बाईपास पर संचालित कोचिंग संस्थानों को हटाकर कोचिंग हब में शिफ्ट करने का मुद्दा तूल पकड़ रहा है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर से कोचिंग संस्थानों के खिलाफ लगातार की जा रही कार्रवाई के विरोध में अब राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी की है।

एसोसिएशन के मुताबिक जेडीए प्रशासन अब तक करीब 30 कोचिंग संस्थानों, 15 लाइसेंस और हॉस्टल को सील कर चुका है। इसके साथ ही अन्य कोचिंग संस्थानों को भी जेडीए द्वारा नोटिस दिए जा रहे हैं। ऐसे में सभी कोचिंग संस्थानों ने सुप्रीम कोर्ट में अपना

गई। पुलिस और प्रशासन ने तत्काल गैस कंपनी को सूचना दी। इसके बाद कंपनी की ओर से गैस की सप्लाई बंद करवाई गई, जिससे रिसाव को नियंत्रित करने की कार्रवाई शुरू की जा सकी।

थानाधिकारी रेजल सिंह ने बताया कि गैस सप्लाई बंद होने के बाद करीब आधे घंटे की मशक्कत में रिसाव को नियंत्रित कर लिया गया। समय रहते गैस सप्लाई बंद कराने और पुलिस-प्रशासन की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। रिसाव नियंत्रित होने के बाद पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। घटना के दौरान एहतियात के तौर पर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई।

कांग्रेस चुनाव जीती तो हर निकाय में हर साल होगी सफाईकर्मियों की भर्ती : गोविन्द सिंह डोटासरा

- कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने चुनाव में देरी, परिसीमन, आरक्षण, सफाई व्यवस्था, नामांकन और जयपुर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर निशाना साधा

–कार्यालय संवाददाता–
जयपुर। निकाय चुनाव की सरगमियों के बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को पीसीसी वॉर रूम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा सरकार पर चुनाव में देरी, परिसीमन, आरक्षण, सफाई व्यवस्था, नामांकन और जयपुर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट के आदेश और अवमानना की कार्रवाई के बाद सरकार को चुनाव कराने पड़े। करीब डेढ़ साल तक निकायों में प्रशासक रहने से जनता के काम प्रभावित हुए।

डोटासरा ने परिसीमन पर सवाल उठाते हुए कहा कि कहीं 10 हजार तो कहीं 30 हजार तक की आबादी वाले वार्ड बनाए गए। उन्होंने आरक्षण लॉटरी में भी मनमानी का आरोप लगाया। कहा कि पहली बार नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं की संयुक्त लॉटरी निकाली गई, जिसके चलते प्रदेश के 10 नगर निगमों में किसी में भी महापौर पद एससी-एसटी के लिए आरक्षित नहीं हुआ। एक पक्ष ओबीसी के लिए आरक्षित हुआ, जबकि एससी-एसटी आरक्षण नगर पालिकाओं तक सीमित रहा।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने टिकट वितरण में 40 वर्ष से कम उम्र के 49.33 प्रतिशत, ओबीसी के 48.85 प्रतिशत, एससी के 21.81 प्रतिशत, एसटी के 5.23 प्रतिशत और महिलाओं के 35.90 प्रतिशत उम्मीदवारों को मौका दिया है।

जयपुर की समस्याओं पर भाजपा को घेरा

डोटासरा ने गड्डों, ट्रैफिक जाम, कचरे, बंदरों, सुअरों और आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर भाजपा बोर्ड पर निशाना साधा। आदर्श नगर के वार्ड टिकट विवाद पर उन्होंने कहा कि तथ्य सामने आने पर जांच होगी। टिकट वितरण के मतभेद बातचीत से सुलझाने का दावा करते हुए उन्होंने अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले बाणियों पर कार्रवाई के संकेत दिए। डोटासरा ने दावा किया कि कांग्रेस निकाय चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी।

उन्होंने कहा कि 23 हजार से अधिक पदों की घोषणा के बावजूद तीन साल में भर्ती पूरी नहीं हुई। नई भर्ती में शर्तों के कारण अब तक करीब चार हजार आवेदन आने का दावा करते हुए

इस्कॉन मंदिर में गैस सिलेंडर में आग लगी

- पुलिस कांस्टेबल की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला**

दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को अन्य हिस्सों में फैलने से रोक लिया गया। इससे मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं की जान पर संडरा रहा बड़ा खतरा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कांस्टेबल कान सिंह ने अपनी जान की परवाह किए बिना आग के बीच जाकर श्रद्धालुओं को बाहर निकाला और जलते सिलेंडर को परिसर से बाहर फेंका। उनकी इस बहादुरी और त्वरित कार्रवाई की मौके पर मौजूद लोगों ने सरनाहना की।

जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री का शुक्रवार शाम इस्कॉन मंदिर आने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित बताया गया है। मुख्यमंत्री के दौर से पहले मंदिर परिसर में आग की घटना के बाद प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं।

राजस्थान के युवाओं को 4 हजार रुपए देगी केन्द्र व राज्य सरकार

राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना 2.0 के तहत 1 500 रुपए केन्द्र तथा 2 500 रुपए प्रतिमाह राज्य सरकार देगी

जयपुर (कासं)। राजस्थान में युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण और व्यावहारिक कौशल उपलब्ध कराने के लिए अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा दिया जा रहा है। राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना 2.0 के तहत पात्र अप्रेंटिस को केंद्र सरकार की ओर से 1500 प्रतिमाह की स्टाइपेंड सहायता प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से दी जा रही है।

वहीं राजस्थान सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा के तहत राजस्थान अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना में पात्र अप्रेंटिस प्रोत्साहन योजना में पात्र अप्रेंटिस 2500 प्रतिमाह अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी जायेगी। इस स्कीम का उद्देश्य उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों में अप्रेंटिसशिप के अवसर बढ़ाना, युवाओं को रोजगार से जुड़े व्यावहारिक कौशल प्रदान करना और एमएसएमई क्षेत्र में अप्रेंटिसशिप को

प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत युवाओं को वास्तविक कार्यस्थल पर प्रशिक्षण और अनुभव हासिल करने का अवसर मिलता है।

2025-26 में 32243 अप्रेंटिस जुड़े

जानकारी के मुताबिक राजस्थान में अप्रेंटिसशिप के प्रति युवाओं और प्रतिष्ठानों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। 2021-22 में 12,850 अप्रेंटिस की उपलब्धि रही, जो 2022-23 में 15204 हुई, 2023-24 में 18230 और 2024-25 में बढ़कर 22328 हो गई। वर्ष 2025-26 में 32243 अप्रेंटिस की उपलब्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 44.4 प्रतिशत अधिक है। यह वार्षिक लक्ष्य 24010 के मुकाबले 135 प्रतिशत

उपलब्धि है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 सितंबर 2026 तक 15122 अप्रेंटिस की उपलब्धि दर्ज की गई है, जबकि वार्षिक लक्ष्य 35,594 निर्धारित है। अप्रेंटिसशिप सहभागिता के मामले में वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्थान उत्तरी भारत के राज्यों में दूसरे स्थान पर रहा।

कौशल दर्पण पोर्टल से होगा भुगतान

राज्य सरकार की 2500 की अतिरिक्त सहायता के भुगतान के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा कौशल दर्पण पोर्टल पर समर्पित भुगतान मॉड्यूल विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से पात्र अप्रेंटिस को अतिरिक्त सहायता राशि का भुगतान किया जाएगा।

‘कोई मेरा-तेरा नहीं, जिसे पार्टी का सिंबल मिला, वह सबका प्रत्याशी’

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने जयपुर के विधायकों से दो टूक बात कही

जयपुर। नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा ने जयपुर में संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को जयपुर शहर भाजपा कार्यालय में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने शहर के विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों और प्रमुख नेतयों के साथ बैठक कर चुनौती तैयारियों का फीडबैक लिया। दिनभर हुई बैठकों के अंतिम चरण में संतोष ने जयपुर नगर निगम क्षेत्र में आने वाली विधानसभा सीटों के राजनीतिक समीकरणां और वार्डवार स्थिति को लेकर नेताओं से जानकारी ली।

बैठक में बीएल संतोष ने टिकट वितरण के बाद सामने आ रही स्थानीय खींचतान के बीच विधायकों और विधानसभा प्रत्याशियों को स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी प्रत्याशी ‘मेरा-तेरा’ नहीं होता। पार्टी का सिंबल जिस प्रत्याशी को मिल गया, वह पूरे संगठन का प्रत्याशी है। ऐसे में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत पसंद-

- बीएल संतोष ने जयपुर शहर के विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों और प्रमुख नेताओं से लिया फीडबैक, वार्डवार राजनीतिक समीकरणां पर किया मंथन**

नापसंद से ऊपर उठकर पार्टी प्रत्याशी को जिताने के लिए काम करना होगा। संतोष ने जयपुर नगर निगम चुनाव में पार्टी की स्थिति को लेकर विधानसभा क्षेत्रवार चर्चा की। उन्होंने नेताओं से संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में आने वाले वार्डों के राजनीतिक समीकरण, प्रत्याशियों की स्थिति, स्थानीय प्रभाव, संगठन की सक्रियता और चुनावी संभावनाओं की जानकारी ली। साथ ही जिन वार्डों में पार्टी को चुनौती नजर आ रही है, वहां संगठन की स्थिति और जीत के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी फीडबैक लिया।

बैठक में निगम चुनाव में विधानसभा स्तर पर समन्वय और सभी

नेताओं को एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरने पर जोर दिया गया।

संतोष ने संकेत दिया कि निगम चुनाव में संगठन की प्राथमिकता व्यक्तिगत गुटों के बजाय सामूहिक रूप से पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों को मजबूत करना है।

बैठक में जयपुर नगर निगम चुनाव के पर्यवेक्षक एवं प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधायक बालमुकुंदचार्य, राज्यसभा सांसद नरेश्याम तिवारी, सांसद मंजु शर्मा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सहित जयपुर शहर के अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे।

संतोष ने संगठन की प्राथमिकता व्यक्तिगत गुटों के बजाय सामूहिक रूप से पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों को मजबूत करना है।

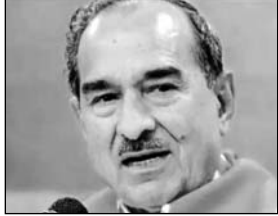
बैठक में जयपुर नगर निगम चुनाव के पर्यवेक्षक एवं प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधायक बालमुकुंदचार्य, राज्यसभा सांसद नरेश्याम तिवारी, सांसद मंजु शर्मा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सहित जयपुर शहर के अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर ग्रामीण के उपनिदेशक गौरव शर्मा ने बताया कि बायोमेट्रिक के कारण जिन विद्यार्थियों के आवेदन शिक्षण संस्थान स्तर पर लंबित हैं, वे निर्धारित तिथि से पूर्व बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करवाएं, ताकि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल सके। निर्धारित तिथि के पश्चात बायोमेट्रिक के कारण लंबित आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

डोटासरा मानसिक अवसाद के शिकार, भाजपा और संघ के फोबिया से ग्रस्त : मदन राठौड़

कांग्रेस का विजन त्रि-सूत्रीय फार्मूला- समाज को बांटना, झूठ फैलाना और तुष्टिकरण करना : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

–कार्यालय संवाददाता–
जयपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को मानसिक अवसाद का शिकार बताया, जिन्हें भाजपा और संघ का फोबिया हो गया है। कांग्रेस की जमीनी स्थिति का आकलन उनके पास पहुंच गया है, इसलिए वे अनर्गल प्रलाप कर अपनी सामने दिख रही हार की श्रेष मिटा रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि परिसीमन में बेईमानी कांग्रेस ने पिछले निकाय चुनावों में की थी, जब तुष्टिकरण के आधार पर कोई वार्ड 300 मतदाताओं का बना दिया तो कोई वार्ड 3000 वोटर्स का बना दिया गया, बेईमानी उसे कहते हैं जो उन्होंने की थी। उन्होंने कहा कि भाजपा का कौन कार्यकर्ता,



मदन राठौड़

कौन नेता कहां आएगा, कहां बैठेगा और कहां चुनाव का कार्य देखेगा, ये भाजपा का परिवारभाव के साथ तय करने में सक्षम है।

कांग्रेस और उनके नेताओं का ना तो इसमें चिंता करने की जरूरत है और ना ही ज्ञान देने की जरूरत है। अगर चिंता और ज्ञान ज्यादा ही है तो वे पहले

- स्वरा भास्कर, जब जौहर जैसे पवित्र बलिदान पर सवाल उठाती हैं, तब डोटासरा के मुंह में दही क्यों जम जाता है?: राठौड़**

- राठौड़ ने सवाल पूछा कि “दलित जिलाध्यक्ष की पिटाई और कांग्रेस नेत्रियों से अनुचित मांग पर मौन क्यों है कांग्रेस?”**

अपने घर की चिंता कर लें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक तरफ दावा करती है कि दलितों और महिलाओं को सम्मान दे रहे हैं, ये इनके शब्दों के ढकोसले हैं, बीकानेर में जिस कांग्रेस जिलाध्यक्ष को पिटा गया, वो दलित शरीर और विशेष कर, स्वरा भास्कर जैसे लोग राजस्थान की मर्यादा को तार-तार कर देते हैं, जब

किया, पूछने का साहस हो, वहां महिलाओं का सम्मान किस तरह होता है यह किसी से छिपा हुआ नहीं है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा महिला सम्मान की बात करते हैं, उनकी पार्टी से जुड़े हुए परिवार के लोग और विशेष कर, स्वरा भास्कर जैसे लोग राजस्थान की मर्यादा को तार-तार कर देते हैं, जब

वे जौहर जैसे पवित्र बलिदान पर सवाल उठाते हैं और डोटासरा के मुंह में दही जम जाता है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा झूठ गढ़ने की मशीन से होड़ करते हुए प्रतीत होते हैं, जब वे राजस्थान में पिछले ढाई साल में हुए विकास के काम पर सवाल उठाते हैं। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस का विजन जनता को पता है, समाज को बांटना, झूठ फैलाना और तुष्टिकरण करना। ये ही इनका त्रि-सूत्रीय फार्मूला है, जो आज विजन के नाम पर जनता को सामने रखता है, वो ही काम कांग्रेस ने सरकार में रहते हुए क्यों नहीं किए और अब वो जो दावे कर रहे हैं वो पूरे कैसे करेंगे, ये जनता जानती है कि ये झूठ के पुलौंदे के अलावा कुछ नहीं है।

मुख्यमंत्री का भीलवाड़ा-उदयपुर में रोड शो, मदन राठौड़ अजमेर, नागौर जाएंगे

भाजपा ने नगर निकाय चुनावों के प्रचार में वरिष्ठ नेताओं को उतारा

जयपुर, 4 सितम्बर। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव प्रचार अब पूरी तरह जोर पकड़ चुका है। भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेताओं को चुनावी मैदान में उतारते हुए, शनिवार, 5 सितंबर के लिये व्यापक प्रचार अभियान की रणनीति बनाई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ अजमेर और नागौर के प्रवास पर रहेंगे, जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भीलवाड़ा और उदयपुर में रोड शो कर पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में माहौल बनाएंगे। मुख्यमंत्री दोनों शहरों में रोड शो के साथ संगठनात्मक बैठकों में भी चुनावी तैयारियां का फीडबैक लेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ शनिवार को अजमेर और नागौर में चुनाव प्रचार अभियान में शामिल होंगे।

अमेरिका की सहायता के लिये होर्मुज में सेना तैनात करेगा द.कोरिया

द.कोरिया होर्मुज से सुरक्षित समुद्री रास्ता सुनिश्चित करने के लिये सैन्य योगदान देने को तैयार है

सियोल (दक्षिण कोरिया), 04 सितंबर। दक्षिण कोरिया होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में अमेरिका की मदद करने के लिए वहां सैन्य कर्मियों की तैनाती पर विचार कर रहा है।

“द कोरिया हेराफेड” ने शुक्रवार को राष्ट्रपति कार्यालय चेअॅंग वा डे के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में इस अधिकारी की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है। इस अधिकारी ने कहा कि यह कोरियाई प्रायद्वीप पर रक्षा तैयारियों की स्थिति और घरेलू कानूनी जरूरतों के आधार पर तय किया जाएगा।

- भाजपा की रणनीति है कि पार्टी पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मैदान में उतर कर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल तैयार करें।**

उनके प्रवास के दौरान, पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में जनसंपर्क और चुनावी गतिविधियों को गति देने के साथ ही, स्थानीय संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं से भी संवाद किया जाएगा। भाजपा की कोशिश है कि प्रदेश पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मैदान में उतरकर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल तैयार करें। टिकट वितरण के बाद जहां कहीं नाराजगी या बग़ावत की स्थिति बनी है, वहां भी नेताओं के प्रवास को

संगठनात्मक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार सुबह जयपुर से रवाना होकर करीब 11.50 बजे भीलवाड़ा पहुंचेंगे। दोपहर 12 बजे से उनका रोड शो शुरू होगा। रोड शो दूधाधारी गोपाल मंदिर परिसर से शुरू होकर निर्धारित मार्ग पर चलेगा।

इसके बाद, दोपहर 1 से 2 बजे तक मुख्यमंत्री भाजपा जिला कार्यालय, भीलवाड़ा में संगठनात्मक बैठक में शामिल होंगे। यहां स्थानीय निकाय

चुनाव की तैयारियों, संगठन की स्थिति और चुनावी रणनीति को लेकर नेताओं से फीडबैक लिया जाएगा।

बैठक के बाद, मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से उदयपुर के लिए रवाना होंगे। करीब 2.40 बजे उदयपुर पहुंचने के बाद शाम चार बजे उनका रोड शो प्रस्तावित है।

उदयपुर में मुख्यमंत्री का रोड शो शाम 4 बजे सूरजपोल चौराहे पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रतिमा स्थल से शुरू होगा। करीब एक घंटे तक चलने वाले रोड शो में मुख्यमंत्री पार्टी प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगेंगे।

रोड शो के बाद शाम 5 से 6 बजे तक मुख्यमंत्री संगठनात्मक बैठक में शामिल होंगे।

एयर इंडिया का फुकेत -दिल्ली उड़ान का मुख्य पायलट बर्खास्त

मुंबई, 04 सितंबर। टाटा की अगुवाई वाली एयरलाइन एयर इंडिया ने शुक्रवार को फुकेत-दिल्ली फ्लाइट के पायलट-इन-कमांड की सेवाएं समाप्त कर दी हैं, जो इरास के इस्तेमाल के टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए थे। एयर इंडिया ने आज एक बयान में बताया कि जांच में मादक पदार्थ सेवन की पुष्टि होने पर फुकेत-दिल्ली उड़ान के मुख्य पायलट की सेवा समाप्त कर दी गई। विमानन कंपनी की ओर से यह घोषणा फुकेत फ्लाइट की घटना की जांच करने वाली एजेंसी विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुआती रिपोर्ट आने के कुछ घंटों बाद की गई है। एएआईबी की इस रिपोर्ट में कहा गया कि पायलट द्वारा मादक पदार्थ का सेवन एक गंभीर चिंता का विषय है और उसने विमान नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उचित कार्रवाई करने को कहा था।

दुनिया भारत व अमेरिका के मजबूत रिश्तों से जलती है- राजदूत गोर

जलडमरूमध्य में संभावित तैनाती को वांशिगटन के साथ व्यापार और गठबंधन से जुड़े कई अन्य मुद्दों पर बढ़ त हासिल करने के एक तरीके के रूप में देख सकता है।

दुनिया भारत व अमेरिका के मजबूत रिश्तों से जलती है- राजदूत गोर

नई दिल्ली, 04 सितंबर। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दोनों देशों की गहरी होती साझेदारी पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अन्य देश भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों से जलते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जिन वैश्विक नेताओं से मिलना चाहते हैं, उस सूची में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी टॉप पर हैं। इंडिया टुडे को दिए एक विशेष साक्षात्कार में अमेरिकी

- अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा, ट्रंप 2020 की भारत यात्रा को बहुत गर्मजोशी से याद करते हैं**

राजदूत सर्जियो गोर ने रक्षा, व्यापार, कूटनीति और दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय बैठकों के बढ़ ते दायरे पर विस्तार से बात की है।

सर्जियो गोर का कहना है कि फ्लोरिडा में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जिन नेताओं से मिलना चाहते हैं, उनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनकी पहली पसंद होंगे। राजदूत ने गोर ने अगले साल डॉनल्ड ट्रंप के भारत दौरे की संभावनाओं के भी संकेत दिए। उन्होंने कहा, जब भी मेरी उनसे (ट्रंप से) बात होती है, वे अपनी 2020 की भारत यात्रा, यहाँ के शानदार लोगों और अपने खास दोस्त प्रधानमंत्री मोदी को बेहद गर्मजोशी से याद करते हैं।

विजय शाह का ऐसा क्या ...

- मध्य प्रदेश सरकार, सुप्रीम कोर्ट में भी पूरा जोर लगा रही है, शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की इजाजत न देने के लिए।**

राज्य सरकार शाह की माफ़ी पर भी काफी हद तक भरोसा कर रही है। सरकार के प्रस्तावित जवाब के अनुसार, शाह ने तीन बार माफ़ी मांगी और लिखित रूप में खेद भी व्यक्त किया। कैबिनेट का मानना है कि अपराधिक मुकदमा चलाने का फैसला करते समय बार-बार मांगी गई इस माफ़ी पर विचार किया जाना चाहिए।

सरकार ने इस घटना को मानवीय भूल भी बताया है। उसका कहना है कि हालात की देखते हुए, शाह द्वारा बार-बार खेद व्यक्त करने और जानबूझकर ऐसा करने का इरादा न होने को देखते हुए, मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का कोई पर्याप्त आधार नहीं है।

सरकार के बचाव का एक और अहम हिस्सा यह तर्क है कि शाह के बयान से सांप्रदायिक सद्भाव नहीं बिगड़ा। राज्य सरकार यह तर्क दे सकती है कि न तो सांप्रदायिक शांति में कोई वास्तविक व्यवधान आया और न ही मंत्री का ऐसा कोई व्यवधान पैदा करने का इरादा था।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने 25 अगस्त को शाह पर मुकदमा चलाने की मंजूरी न देने का फैसला किया था। इसके बाद यह सिफारिश चलाफल मंगुआई पटेल को भेजी गई, जिन्होंने कैबिनेट के फैसले को मंजूरी दे दी। अब सरकार इन तर्कों को सुप्रीम कोर्ट के सामने रखेगी। लेकिन कोर्ट के लिए तैयार किए जा रहे कानूनी तर्कों से परे एक ऐसा

बीएल संतोष ने दिन भर की बैठकों में चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया

उन्होंने कहा, कमज़ोर नज़र आ रहे प्रत्याशी के साथ खड़ा होकर संगठन उसे मजबूत बनाएं

जयपुर, 4 सितम्बर। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा ने अब चुनावी अभियान को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाने की तैयारी शुरू कर दी है। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने

दिनभर चली विभिन्न संगठनात्मक बैठकों में चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया और नेताओं-कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। बैठक में, पार्टी प्रत्याशियों की स्थिति, बृथ प्रबंधन, स्थानीय समीकरण, वरिष्ठ नेताओं की सक्रियता, बागियों और नाराज कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय के साथ-साथ, मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

बैठकों में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री एवं निकाय चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी, प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल, सह प्रभारी गजेन्द्र पटेल, रोहन गुप्ता और संगीता यादव तथा संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में, कुछ वार्डों में भाजपा प्रत्याशियों की स्थिति को लेकर फीडबैक सामने आया। ऐसे वार्डों पर भी चर्चा हुई, जहां मुकाबला कांग्रेस और

- राष्ट्रीय संगठन महामंत्री की बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, चुनावी प्रभारी, प्रदेश प्रभारी और संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित प्रदेश पदाधिकारियों ने भाग लिया।**

निर्दलीय उम्मीदवार के बीच दिखाई दे रहा है। राजनीतिक तौर पर ऐसे स्थानों पर चुनाव के बाद बोर्ड गठन के संभावित समीकरणों को देखते हुए निर्दलीय प्रत्याशियों से संपर्क की चर्चा भी उठी।

लेकिन संतोष ने चुनाव के दौरान इस तरह के विकल्प तलाशने के बजाय, अधिकृत प्रत्याशी को जिताने पर पूरा जोर देने का संदेश दिया। उनका स्पष्ट संकेत था कि प्रत्याशी कमजोर नज़र आ रहा है तो संगठन को उसके साथ खड़ा होकर उसे मजबूत करना चाहिए।

यह संदेश टिकट वितरण के बाद कुछ स्थानों पर सामने आई नाराजगी और बग़ावत के बीच भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संगठन की कोशिश है कि स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट कर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में पूरी ताकत लगाई जाए।

बैठक में वरिष्ठ नेताओं और सांसदों की चुनावी सक्रियता पर भी चर्चा हुई। एक वरिष्ठ नेता की ओर से कुछ सांसदों

की अपेक्षाकृत कम सक्रियता का मुद्दा उठाया गया। इसके बाद संतोष ने स्पष्ट किया कि निकाय चुनाव केवल वार्ड प्रत्याशी का चुनाव नहीं है, बल्कि संगठन के हर स्तर की सक्रियता इसमें मायने रखती है।

मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी से जुड़े पदाधिकारियों की बैठक में संतोष ने भाजपा के खिलाफ चल रहे नरेटिव को लेकर भी फीडबैक लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि विपक्ष की ओर से फैलाए जा रहे प्रोपेगेंडा का तथ्यों के आधार पर जवाब दिया जाए। बैठक में संगठनात्मक गोपनीयता का मुद्दा भी प्रमुखता से सामने आया। संतोष ने इस बात पर नाराजगी जताई कि कई बार पार्टी की आंतरिक बैठकों की जानकारी बैठक समाप्त होने से पहले ही बाहर और मीडिया तक पहुंच जाती है। उन्होंने ऐसे लोगों को लेकर सख्त संदेश दिया, जो संगठनात्मक बैठकों की अंदरूनी चर्चा सार्वजनिक करने या केवल मीडिया में खबरों में बने रहने के लिए सक्रिय रहते हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पूर्व पर शुक्रवार को पूंछरी का लौटा स्थित श्रीनाथजी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही, उन्होंने मुखारविंद मन्दिर में श्री गिरिराज जी का अभिषेक कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की।

राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में ...

- अगर, यूपी, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना आदि राज्यों में कांग्रेस का मजबूत प्रदर्शन रहता है तो राहुल प्र.मंत्री की कुर्सी के नज़दीक पहुँच सकेंगे।**

एक विचारधारा और एक कमान व्यवस्था (कमांड स्ट्रक्चर) हो। यह उन पार्टियों का चुनावी गठबंधन था, जिनकी क्षेत्रीय रुचियां और महत्वाकांक्षाएं एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थीं। इसी वजह से शीर्ष पद के लिए राहुल गांधी का दावा विशेष रूप से मुश्किल हो जाता है।

ममता बनर्जी ने यह दिखा दिया था कि तृणमूल कांग्रेस की अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाएं हैं और जरूरी नहीं कि वह कांग्रेस को विपक्ष का निर्विवाद नेता माने। इसी तरह, अरविंद केजरीवाल की “आप” ने भी कांग्रेस से अलग अपनी स्वतंत्र राजनीतिक जगह बनाने की कोशिश की थी।

वहीं, अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में एक ताकतवर खिलाड़ी के तौर पर उभरी है और राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का नेतृत्व कौन करे, इसे लेकर उनका अपना गणित है।

राहुल गांधी के सामने यही मुख्य

विरोधाभास है – कांग्रेस चाहती है कि इंडिया गठबंधन सबसे बड़ी राष्ट्रीय विपक्षी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन की तरह काम करे, जबकि कई क्षेत्रीय पार्टियां इस गठबंधन को मुख्य रूप से भाजपा को हराने के एक जरिए के तौर पर देखती हैं – न कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए।

यह फ़र्क 2029 में निर्णायक साबित हो सकता है। कांग्रेस का अपने नेता के प्रति लगातार लगाव पार्टी को राहुल से उमड़ना नहीं खोने देता और पार्टी 2014 के बाद से उनमें आए सकारात्मक बदलावों की ओर इशारा करती है। पार्टी का मानना है कि उनका राजनीतिक संवाद बेहतर हुआ है, संसद में उनकी बात पर ज्यादा ध्यान दिया गया है और ‘भारत जोड़े यात्रा’ ने उन्हें ऐसी छवि प्रदान की है, जो उनके विरोधियों द्वारा बनाई गई ‘अनिच्छुक राजनेता’ की छवि से बिल्कुल अलग है।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव ने भी कांग्रेस का मनोबल बढ़ाया। पार्टी ने 2019 के अपने नतीजों में काफी सुधार किया, और राहुल गांधी विपक्ष के नेता के तौर पर उभरे हैं। लेकिन मजबूत कांग्रेस का मतलब अपने आप ही यह नहीं हो जाता कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद के लिए आम सहमति वाले उम्मीदवार बन जाएंगे।

इसके लिए, कांग्रेस को एक ज़्यादा मुश्किल सवाल का जवाब देना होगा – वह वास्तव में अपने दम पर कितनी सीटें जीत सकती है, और क्षेत्रीय सहयोगियों पर कितनी निर्भर रहेगी?

इस सवाल का जवाब ही राहुल गांधी की मोल-भाव करने की क्षमता तय करेगा।

अगर कांग्रेस उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और अन्य राज्यों में अच्छा प्रदर्शन करती है, तो राहुल का दावा काफी मजबूत हो जाएगा। लेकिन अगर अहम राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियां हावी रहती हैं, तो प्रधानमंत्री पद का सवाल एक बार फिर चुनाव के बाद बातचीत का बानस बन सकता है। यहीं पर सी एम विजय अहम हो जाते हैं।

सात राज्यों में न्यायिक अधिकारियों की आयु सीमा 62 वर्ष हो- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 04 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने जिला न्यायापालिका के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाने को लेकर बड़ा निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने सात राज्यों को न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने का आदेश दिया

- अदालत ने कहा कि 60 वर्ष की उम्र पूरी करने वाली की उपयुक्तता के आधार पर रिटायरमेंट एज बढ़ेगी। उपयुक्तता की जांच संबंधित हाईकोर्ट करेगा।**

है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने यह निर्देश दिया। शीर्ष अदालत का कहना है कि अनुभवी न्यायिक अधिकारियों को सिस्टम में बनाए रखना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और मध्य प्रदेश को अपने सेवा नियमों में बदलाव करना होगा। महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी सेवानिवृत्ति उम्र 62 साल करनी होगी। इन राज्यों को सेवा नियमों में संशोधन करने के लिए शीर्ष अदालत ने कहा है कि यह काम जल्द से जल्द किया जाए।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
का एक वर्ग, दोनों ही यह पृष्ठने लगे हैं कि उस राजनीतिक जगह का क्या होगा, जिस पर वे इतने लंबे समय तक काबिज रहे। कई लोग दावा करेंगे। कुशवाहा ने औपचारिक रूप से खुद को नीतीश का उत्तराधिकारी घोषित नहीं किया है। लेकिन यह स्पष्ट है कि एक बड़ा वर्ग चाहेगा कि वे यह जिम्मेदारी संभालें।

उत्तराधिकारी का सवाल सिर्फ यह नहीं है कि राजनेता के तौर पर नीतीश की जगह कौन लेगा। सवाल यह है कि उनके पीछे छोड़ी गई राजनीतिक परंपरा का वाहक कौन होगा, खासकर समाजवादी, पिछड़ी जाति वाली वह जगह, जिसने कभी नीतीश को राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और भाजपा, दोनों से अलग खड़ा होने में मदद की थी।

यहीं पर कुशवाहा की भूमिका अहम हो जाती है। वे आज बिहार में नीतीश की राजनीतिक शैली के संभावित उत्तराधिकारी के शायद सबसे करीब हैं। नीतीश की तरह, वे भी कर्पूरी ठाकुर, राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण द्वारा गढ़ी गई समाजवादी परंपरा से आते हैं; नीतीश की तरह, वे पिछड़ी जाति के उस सामाजिक गठबंधन के महत्व को समझते हैं, जिसने लव-कुश (कुर्मी-कोइरी) समीकरण को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाया; और सबसे अहम बात यह है कि उन्होंने दशकों तक उसी राजनीतिक क्षेत्र में काम किया है, ऐसा नहीं कि वे अचानक इसके दावेदार बन गये हों।

कुशवाहा सरकार का हिस्सा रहे हैं, उन्होंने राजनीतिक संगठन बनाए और उनका नेतृत्व किया है, भाजपा और व्यापक जनता परिवार, दोनों के साथ गठबंधन की बातचीत की है, और



गणेश चतुर्थी पर

भव्य लॉन्च



14 सितंबर 2026



नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

प्री-लॉन्च रेट
₹16,500
प्रति वर्ग गज

लॉन्च रेट (गणेश चतुर्थी)
₹18,000
प्रति वर्ग गज

दिवाली की रेट
₹20,000
प्रति वर्ग गज

1 दुकान की कीमत: ₹16.50 लाख

2 दुकानों की कीमत: ₹25 लाख

सिर्फ 10 दिन में ₹1500 प्रति वर्ग गज रेट बढ़ेगी !

KEDIA®



1800-120-2323
78770-72737



info@kedia.com



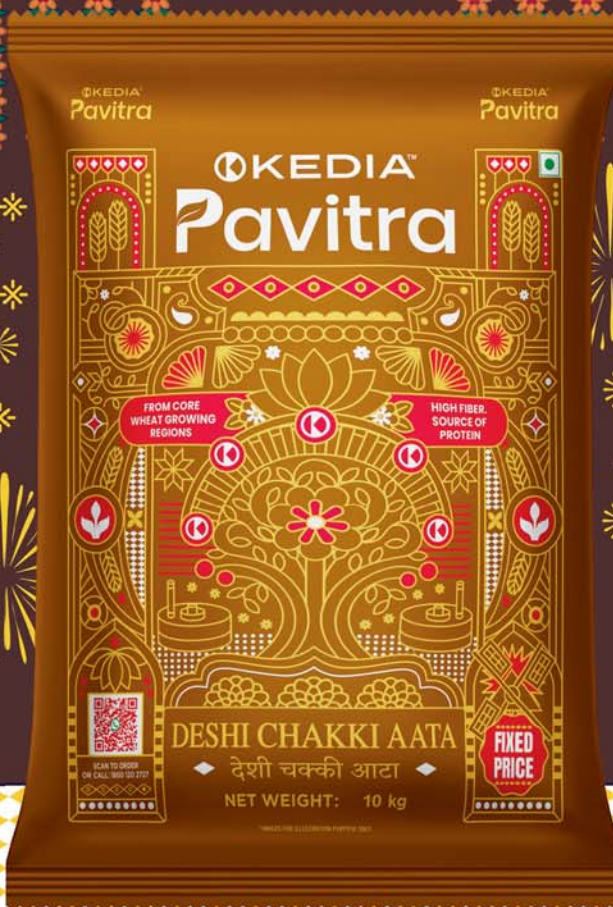
www.kedia.com

T&C Apply



आटा तो पवित्र ही खिलाकर रहेंगे !

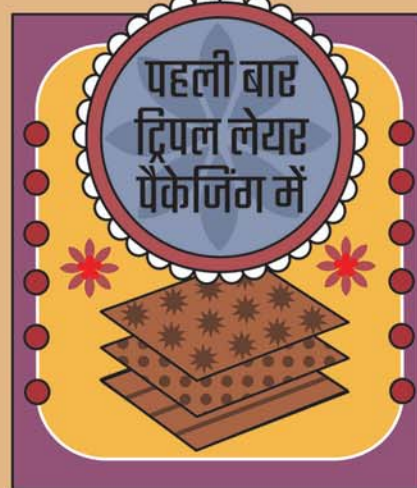
केडिया पवित्र देशी चक्की आटा 10 किलो
अब सिर्फ ₹400 में



नजदीकी रिटेलर, सुपरमार्केट
और Zepto पर उपलब्ध !



आटा | दलिया | सुजी | बेसन | सत्तू | दाल | चावल | खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले | हींग | कुकिंग ऑयल |
ड्राई फ्रूट्स | फ्लेवर्ड मसाला | गुड़ | मिश्री | सेंधा नमक | पोहा और चाय सहित कमलीट किचन बास्केट



दुकान हो या सुपरमार्केट
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800-120-2727